सांध्य दैनिक
# नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

**सु-विचार**
*एक अर्थ पूर्ण मौन हमेशा व्यर्थ के शब्दों से बेहतर होता है... ।*
*अज्ञात...*

वर्ष–01 अंक–30 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 17 फरवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए,

# सीवर ट्रीटमेंट प्लांट के नाम पर 10 करोड़ का 'सीवर कांड'

## खुर्सीपार क्षेत्र के 400 परिवारों पर बुलडोजर–खुर्सीपार में बदबू और बंदरबांट

**पड़ताल**

*आलोक तिवारी / भिलाई*

नगर पालिक निगम भिलाई की परियोजना शाखा में चल रहे खेल का अब सबसे बड़ा खुलासा सामने आया है। खुर्सीपार जोन–4 में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) निर्माण के नाम पर स्वीकृत 10 करोड़ की योजना न सिर्फ धरातल से गायब है, बल्कि इस पूरे प्रकरण में 400 परिवारों को नोटिस देकर तोड़फोड़ तक की कार्रवाई कर दी गई।





### 400 परिवारों को नोटिस–तोड़फोड़ भी!

जब STP के स्थान पर सिवर लाइन विस्तार का फैसला लिया गया, तब लगभग 400 परिवारों को निगम द्वारा नोटिस जारी किए गए। कई स्थानों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई भी की गई। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और पाषर्दो ने लगातार शिकायतें कीं, लेकिन निगम प्रशासन ने कोई उच्च स्तरीय कार्रवाई नहीं की। सवाल उठता है — जनता पर सख्ती और ठेकेदारों पर नरमी क्यों?

### यानी प्लांट बना नहीं– लेकिन बुलडोजर जरूर चला!

शासन ने STP मंजूर किया– निगम ने खेल बदल दिया। वर्ष 2019–20 में 14वें वित्त आयोग के तहत 4.0 MLD क्षमता के STP निर्माण के लिए 1000 लाख स्वीकृत हुए थे। योजना साफ थी — गंदे पानी का शोधन, पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र को राहत। लेकिन अचानक मूल कार्य स्वरूप बदल दिया गया। STP के स्थान पर सिवर लाइन और चेंबर निर्माण का प्राकलन बना दिया गया। करीब 9.78 करोड़ की राशि को पाँच भागों में बांटकर निविदा प्रक्रिया चलाई गई। जानकारों का कहना है कि यह कदम नियमों के विपरीत था और इसका उद्देश्य 'अनुकूल ठेकेदारों' को लाभ पहुंचाना था।

### नया कुछ नहीं– सिर्फ पुराने पाइप बदलने का खेल!

इस पूरे मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि कहीं भी नए क्षेत्र में नई सिवर लाइन नहीं बिछाई जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार भिलाई इस्पात संयंत्र (भिलाई इस्पात संयंत्र) द्वारा दशकों पहले तैयार ड्रॉइंग–डिजाइन के आधार पर बिछाए गए पाइपों का ही 'नवीनीकरण' किया जा रहा है।

### 17.88 लाख आकिर्टेक्ट को क्यों?

फिर 17.88 लाख आकिर्टेक्ट को क्यों? सबसे बड़ा सवाल यही है — जब पुराने ड्रॉइंग–डिजाइन को ही आधार बनाना था, तो फिर नए आकिर्टेक्ट को 17.88 लाख का भुगतान किस बात का किया गया? आकिर्टेक्ट की भूमिका तब होती है जब नया लेआउट तैयार करना हो, प्रोजेक्ट की रूपरेखा बनानी हो, भविष्य की स्थिति का आकलन करना हो। यहां न नया लेआउट बना, न नई प्लानिंग दिखी — सिर्फ भुगतान हुआ। क्या यह केवल 'कमीशन का रास्ता' था?

### एकल निविदा–सीधे कार्यादेश

बार–बार एकल निविदा आने के बावजूद निविदा निरस्त नहीं की गई। चुनिंदा फर्मो को करोड़ों के कार्यादेश जारी कर दिए गए। प्रारंभिक योजना में लगभग 4.77 करोड़ से STP निर्माण प्रस्तावित था। अंतिम कार्यादेश में यह हिस्सा पूरी तरह गायब है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ?4–5 करोड़ की संभावित आर्थिक गड़बड़ी से इनकार नहीं किया जा सकता।

### खुर्सीपार आज भी बदबू में

पूर्व पार्षद हेमंत निषाद ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि शासन के आदेश की खुली अवहेलना कर संगठित तरीके से वित्तीय अनियमितता की गई। आज भी खुर्सीपार में सीवर का गंदा पानी बह रहा है। बदबू, संक्रमण और पर्यावरण प्रदूषण की स्थिति जस की तस है।

इस मामले की शिकायत प्राप्त हुई है। मैं इस जोन में अभी फिलहाल नया हूं। आवेदन पर पूर्ण रुप से इस मामले का अध्यन नहीं कर पाया हूं। पूर्ण अध्यन करने के बाद इस मामले में जो भी अनियमितता पाई जाएगी उस पर सुधार किया जाएगा। शिकायतकर्ता को भी इसकी संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।
**संजय वर्मा**
**कार्यपालन अभियंता, जोन क्रमांक–4**

### राजनीतिक भूचाल तय?

यह पूरा मामला जिस क्षेत्र में हुआ, वह वतर्मान विधायक देवेंद्र यादव और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय का विधानसभा क्षेत्र है। अब राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहा है? क्या जनप्रतिनिधियों को इस बदलाव की जानकारी थी? क्या शासन को मूल स्वरूप परिवर्तन की सूचना दी गई थी? और यदि नहीं, तो इतनी बड़ी प्रशासनिक चूक कैसे हो गई? मामला पर्यावरणीय दृष्टि से भी गंभीर है और इसे राष्ट्रीय हरित अधिकरण के संज्ञान में लाने की मांग तेज हो रही है।

### पार्षद पीयूष का आरोप

भाजपा पार्षद पीयूष मिश्रा ने खुर्सीपार में चल रहे सिवर लाइन कार्य को गंभीर अनियमितताओं से घिरा बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसटीपी बनाई जानी थी, वहां सिर्फ सीवर लाइन और पुराने चैंबरों पर प्लास्टर कर भुगतान उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा, यह ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है। बिना गुणवत्ता जांच के भुगतान करना जनता के पैसों की खुली लूट है। इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

### बड़ा सवाल STP कहाँ है?

- 10 करोड़ की स्वीकृत राशि किस मद में खर्च हुई?
- आकिर्टेक्ट को भुगतान क्यों?
- 400 परिवारों पर कारर्वाई क्यों? और आखिर जिम्मेदार कौन?
- यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच होती है तो नगर निगम की परियोजना शाखा से लेकर उच्च स्तर तक कई बड़े नाम उजागर हो सकते हैं।
- खुर्सीपार पूछ रहा है — प्लांट नहीं बना– तो पैसा किसने पचाया?



# मोहन नगर में युवक की चाकू मारकर हत्या एक आरोपी हिरासत में, दूसरा आरोपी फरार

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

मोहन नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत रात्रि 9 बजे के करीब एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मौके पर शव को देखकर स्थानीय लोग सकते में आ गए। पुलिस ने बताया कि हत्या की घटना के तुरंत बाद एक आरोपी चीकू को हिरासत में ले लिया गया है। आरोपी के कब्जे से पूछताछ की जा रही है, ताकि हत्या के कारणों और घटना के पीछे की वजह का पता लगाया जा सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हत्या किन कारणों से हुई।

घटना में शामिल दूसरे आरोपी पांडू की तलाश जारी है। पुलिस की टीम उसके ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है और आसपास के इलाकों में सघन जांच कर रही है। थाना पुलिस और अपराध शाखा की टीम ने पूरे इलाके में पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, मृतक और आरोपी के बीच पहले भी किसी बात को लेकर विवाद हुआ था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या यही विवाद हत्या का कारण बना। पुलिस घटनास्थल से जुटाई गई साक्ष्यों और उउळश फुटेज की मदद से मामले की गहराई में जाने का प्रयास कर रही है।




पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच में तेजी लाई जा रही है और जल्द ही घटना का पूरा सच सामने लाया जाएगा। गिरफ्तार आरोपी चीकू से पूछताछ के बाद हत्या में उसकी भूमिका स्पष्ट होगी।

इस घटना ने मोहन नगर क्षेत्र में सुरक्षा को लेकर लोगों में चिंता बढ़ा दी है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस को दें और किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें। पुलिस का दावा है कि हत्या के पीछे के कारणों की जांच जल्द ही पूरी कर दी जाएगी और फरार आरोपी पांडू को पकड़कर न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

### थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक लाइन अटैच

**रायपुर।** पुलिस कमिश्नरी लागू होने के बाद पहले ही पखवाड़े में बड़ी कारर्वाई की गई। सिविल लाइन थाना प्रभारी दीपक पासवान को लाइन अटैच कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर डा संजीव शुक्ला ने यह आदेश जारी किया है। प्रशासनिक कारणों से यह कारर्वाई की गई है। पासवान की जगह नई नियुक्ति नहीं की गई है। इसी तरह से।64 अन्य पुलिस कर्मियों के तबादले किए गए हैं।

### साधारण सभा की बैठक 25 फरवरी को

**राजनांदगांव।** जिला पंचायत साधारण सभा की बैठक 25 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष राजनांदगांव में आयोजित की गई है। बैठक में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सभी सदस्यों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है। बैठक में अधिकारियों को आवश्यक जानकारी सहित उपस्थित होने कहा गया है।

# केमिकल फैक्टरी में लगी भीषण आग उठा काला धुंआ; ग्रामीणों में दहशत

**जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने की तत्काल सक्रियतापूर्वक कार्रवाई**

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम मोहंदी स्थित मेसर्स जया हाउसहोल्ड स्पेशिलिटी केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड में दोपहर 12 बजे उद्योग के एन्थ्राक्यूनॉन पावडर स्टोरेज सेक्शन में औद्योगिक दुर्घटना व आगजनी हुई थी। इस घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी कलेक्टर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह के दिशा-निर्देश पर जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तत्काल तत्परतापूर्वक कार्रवाई करते हुए राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई एवं दुर्ग जिले से 8 फायरब्रिगेड गाड़ियां बुलाई गई और उद्योग में लगी आग पर काबू पाया गया। इस दुर्घटना व आगजनी से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर, नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन, एसडीओपी मंजूलता बाज, तहसीलदार घुमका, मुकेश ठाकुर, नायब तहसीलदार घुमका रामलखन चौहान, थाना प्रभारी घुमका विजय मिश्रा, टीआई बसंतपुर हेमंत साहू सहित जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग की टीम उपस्थित थे। क्षेत्रीय अधिकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल भिलाई से डॉ. अनीता सावंत एवं कनिष्ठ वैज्ञानिक शिवप्रसाद द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा आगजनी की घटना की जांच की जा रही है। आग लगने का स्पष्ट कारण अभी तक पता नहीं चला है। निरीक्षण के दौरान उद्योग प्रतिनिधि व मैनेजर केजी शर्मा उपस्थित रहे।

**गड़बड़ी** | अफसरों और सरपंच की मिलीभगत से लाखों का 'खेल'!

# कवर्धा में मनरेगा की 'लूट': आकंड़ों के जाल से बना चेकडैम

*नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा*

सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना 'मनरेगा' कबीरधाम जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही है। ताजा मामला पंडरिया जनपद के ग्राम पंचायत डालामोहा का है, जहाँ घोधरानाला-भेड़ागढ़ नाला पर लाखों की लागत से बने चेकडैम निर्माण में भारी अनियमितता उजागर हुई है। यहाँ विकास की नींव सीमेंट से नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के 'घोल' से भरी गई है।

### घोटाले के चौंकाने वाले आंकड़े और तथ्य

खबर के मुताबिक, भ्रष्टाचार की यह परतें किसी शिकायत से नहीं, बल्कि जमीनी पड़ताल से खुली हैं: कार्य कोड: इस घोटाले को अंजाम देने के लिए कार्य कोड 3302004107/ WC/ 1111599683 और 3302004009/ WC/ 1111599586 का इस्तेमाल किया गया।



**लाखों का वारा–न्यारा:** लाखों रुपये की लागत वाले इन निर्माणों की जमीनी हकीकत सरकारी कागजों से कोसों दूर है।

**घटिया सामग्री का 'मिश्रण':** निरीक्षण में पाया गया कि निर्माण में गिट्टी की जगह धूलयुक्त लाल रंग की सामग्री और रेत की जगह वन क्षेत्र के नालों की काली मिट्टी मिलाई गई है। तकनीकी मानकों की धज्जियाँ उड़ाते हुए बस 'काम खत्म' दिखाने की कोशिश की गई है।

**सवाल जो जवाब मांगते हैं:** तकनीकी सहायक और ढड ने क्या आँखें मूंदकर फाइलों पर साइन किए? क्या माप पुस्तिका (MB) में दर्ज आंकड़े केवल एयरकंडीशन कमरों में बैठकर भरे गए? क्या जिला प्रशासन सोशल ऑडिट और रिकवरी जैसी कड़ी कार्रवाई की हिम्मत दिखाएगा? डालामोहा का यह चेकडैम अब प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही की 'अग्निपरीक्षा' बन चुका है। अब देखना यह है कि जिला कलेक्टर और विभागीय अधिकारी दोषियों को सलाखों के पीछे भेजते हैं या फिर यह मामला भी 'कागजी खानापूर्ति' की फाइलों में दबकर रह जाएगा।

### नियमों की धज्जियाँ: न बोर्ड, न पारदर्शिता

मनरेगा के कड़े नियमों के बावजूद कार्यस्थल पर सूचना पटल गायब है। न स्वीकृत राशि का पता है, न कार्य विवरण का। यह महज लापरवाही नहीं, बल्कि जनता की आंखों में धूल झोंकने की एक सोची–समझी साजिश है ताकि किसी को पता न चले कि सरकार ने कितना पैसा भेजा और कितना 'साहबों' की जेब में गया।

### मशीनों से काम, कागजों पर फर्जी 'हाजिरी'

सबसे गंभीर आरोप यह है कि जो काम मजदूरों के हाथों से होना था, उसे मशीनों से कराकर कागजों में मजदूरों की फर्जी हाजिरी दिखाई गई है। यदि यह सच है, तो यह सीधे तौर पर उन गरीब परिवारों के निवाले पर डाका है जो 100 दिन के रोजगार के लिए सरकार की ओर देखते हैं।

# ऑल द बेस्ट, प्यारे बच्चों: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के छात्र-छात्राओं को परीक्षाओं के अवसर पर शुभकामनाएँ देते हुए उन्हें आत्मविश्वास और हौसले के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया है। उन्होंने विद्यार्थियों के नाम अपने आत्मीय संदेश में कहा कि परीक्षाओं का समय जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है, जिसमें उत्साह के साथ थोड़ा तनाव भी स्वाभाविक है, लेकिन घबराने की आवश्यकता नहीं है।

मुख्यमंत्री ने बच्चों से कहा कि परीक्षाओं का समय आ गया है। मैं जानता हूँ कि इन दिनों आपके मन में उत्साह भी है और थोड़ा सा तनाव भी। लेकिन सबसे पहले यह जान लीजिए – आप अकेले नहीं हैं, हम सब आपके साथ हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं का समय कभी-कभी मन में घबराहट भी लेकर आता है। यह स्वाभाविक है। यदि आपको डर लग रहा है तो इसका अर्थ है कि आप अपनी पढ़ाई और अपने भविष्य को गंभीरता से लेते हैं। उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह समझ लीजिए – डर कमजोरी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का संकेत है। लेकिन इस डर को अपने आत्मविश्वास पर हावी न होने दें। आपने पूरे वर्ष मेहनत की है। हर दिन का प्रयास, हर अभ्यास, हर दोहराव – सब आपकी ताकत बनकर आपके साथ खड़े हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी नियमित पढ़ाई करें, कठिन विषयों को दोहराएँ, समय का संतुलन बनाए रखें। पर्याप्त नींद लें, पौष्टिक भोजन करें और कुछ समय के लिए मोबाइल से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के सभी विद्यार्थी इस बार भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे और अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

# जिला शिक्षा अधिकारी के आकस्मिक निरीक्षण से अहिवारा विस के स्कूलों में मची खलबली

## विद्यार्थियों की कम उपस्थिति और शिक्षकों के स्टाफ रूम में बैठे पाए जाने पर डीईओ ने जताई नाराजगी

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

अहिवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में जिला शिक्षा अधिकारी के आकस्मिक निरीक्षण के दौरान विद्यार्थियों की कम उपस्थिति तथा शिक्षकों के स्टाफ रूम में बैठे रहने की जानकारी सामने आई। एक जगह प्रधान पाठक अपने कक्ष में मोबाइल देखते पाए गए। भाई एक जगह एक विद्यालय परिसर में बीमार कुत्तों की उपस्थिति तो एक स्कूल में निर्माण सामग्रियों और कचरा फैला मिला है, इस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने गहरी नाराजगी जताई है।

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा ने क्षेत्र के विभिन्न शासकीय विद्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पीएम श्री योजना के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में आगामी 16 से 25 फरवरी तक भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित निरीक्षण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा निर्धारित 21 बिंदुओं की विस्तार से समीक्षा की।

डीईओ ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला गिरहोला, पीएम श्री उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अहिवारा, जामुल, बालाजीनगर, पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय जरवाय, बालाजीनगर, बानबरद तथा शासकीय प्राथमिक/पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला, अहिवारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पूर्व माध्यमिक शाला गिरहोला में विद्यार्थियों की कम उपस्थिति तथा शिक्षकों के स्टाफ रूम में बैठे पाए जाने पर डीईओ ने नाराजगी जताई। शासकीय हायर





सेकेण्डरी स्कूल अहिवारा में व्याख्याता रीता प्रधान और रेखा साहू अनुपस्थित पाए गए। कन्या पूर्व माध्यमिक शाला अहिवारा में शिक्षक पीतांबर शर्मा अनुपस्थित मिले, जबकि उपस्थित प्रधान पाठक एमए खान अपने कक्ष में मोबाइल देखते पाए गए। कई विद्यालयों में विद्यार्थी परिसर में इधर-उधर घूमते नजर आए। इन सभी मामलों में डीईओ ने संबंधितों को कड़ी समझाईश दी तथा कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

पीएम श्री प्राथमिक शाला जरवाय में मध्यान्ह भोजन के दौरान परिसर में बीमार कुत्तों की मौजूदगी पर उन्होंने प्रभारी शिक्षक को फटकार लगाते हुए आवारा पशुओं के प्रवेश को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। वहीं पीएम श्री प्राथमिक शाला बालाजीनगर में निर्माण सामग्री (गिट्टी, रेत) बिखरी मिलने और परिसर में गंदगी पाए जाने पर प्रधान पाठक को तत्काल साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। डीईओ ने सभी संस्था प्रमुखों को विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एमबीयू, आपार, वीएसके, जाति प्रमाण पत्र एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारियों की भी जानकारी ली।

## ब्रह्माकुमारीज "आनंद सरोवर" बघेरा में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया

दुर्ग प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी ने ध्वजारोहण किया एवं चैतन्य प्रभा दीदी , कामिनि बहन, संगीता बहन , देवकी बहन , साक्षी बहन और सभी भाई-बहनों के सानिध्य में निराकार परमपिता परमात्मा शिवबाबा का जन्मदिन केक काटकर मनाया गया व रीटा दीदी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। चैतन्य प्रभा दीदी द्धारा सभी भाई बहनों को प्रतिज्ञा कराया गया।

साक्षी दृष्टा स्थिति में स्थित रह हर परिस्थिति में सदा अचल अडोल रहेंगे। शुभ भावना और शुभकामना के मंत्र द्वारा हर आत्मा को संतुष्ट करते हुए सदा संतुष्ट रहेंगे। मीठी बोल और मुस्कुराते हुए चेहरे द्वारा हर एक के साथ मधुरता संपन्न व्यवहार करेंगे। सच्चे और साथ दिल से भोलानाथ शिव बाप को राजी कर चिंता और व्यर्थ चिंतन से मुक्त रहेंगे । दृढ़ता और परिवर्तन शक्ति से हर कारण का निवारण करेंगे। समाधान स्वरूप बनेंगे। कार्यक्रम के प्रसाद सभी को भोग वितरित किया गया।

### ग्राम तिरगा में वजन त्यौहार का आयोजन

**अंडा।** दुर्ग ग्रामीण सेक्टर अंजोरा ख अंतर्गत ग्राम तिरगा में वजन त्यौहार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम परियोजना अधिकारी श्रीमती उषा झा एवं सेक्टर सुपरवाइजर श्रीमती गीतांजली भैंसारे के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती माताओं का वजन एवं ऊंचाई मापी गई। बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर पोषण स्तर का आकलन किया गया, ताकि कुपोषण की स्थिति में समय पर आवश्यक मार्गदर्शन एवं उपचार उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती नेहा तिवारी, टुमेश्वरी बेलचंदन, खोमेश्वरी नेताम, सहयोगी कार्यकर्ता पूणर्मा देशमुख, धनेश्वरी देशमुख, तारनी देशमुख, सतरूपा मंडावी, अरुणा सोनी, त्रिवेणी देशमुख तथा सहायिका निमर्ला सोनी एवं दुलेश्वरी उपस्थित रहीं।

# विकास को नई गति : चंडी मंदिर से उरला शिवनाथ एनिकट तक सड़क चौड़ीकरण- मंत्री गजेन्द्र यादव




*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

चंडी मंदिर से उरला शिवनाथ एनिकट तक सड़क चौड़ीकरण कार्य हेतु दुर्ग के जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गजेन्द्र उपस्थितजन को सम्बोधित करते हुए बताया की क्षेत्र के संवार्गीण विकास के लिए निरंतर कार्य जारी है। भूमिपूजन के साथ क्षेत्र के नागरिकों से किये गए चुनावी वादे भी पूरे हो रहे है।

लगभग 452.47 लाख की लागत से बनने वाली यह सड़क लंबे समय से क्षेत्रवासियों की प्रमुख मांग रही है। उरला में आयोजित भूमिपूजन में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बताया की करीब 13 वर्षो से लंबित इस कार्य के प्रारंभ होने से नागरिकों में उत्साह का माहौल है। सड़क चौड़ीकरण को लेकर लगातार दुर्ग के जनप्रतिनिधियों से संपर्क करते रहे लेकिन कुछ नहीं हुआ, वार्ड भ्रमण में नागरिकों ने जब सड़क की समस्या से उन्हें अवगत कराये तो मंत्री गजेन्द्र यादव ने तत्काल इस्टीमेट बनवाये और शासन से राशि स्वीकृति कराकर कार्य प्रारंभ कराये।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा की यह कार्य केवल सड़क निर्माण नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास की कड़ी को और अधिक मजबूत करने का प्रतीक है। उरला क्षेत्र में खेल मैदान, मांगलिक भवन, सीसी रोड निर्माण सहित सर्वांगीण विकास के कई कार्य निरंतर जारी हैं।

प्रदेश सरकार का स्पष्ट लक्ष्य है कि विकास का लाभ हर वार्ड, हर मोहल्ले तक पहुंचे। सड़क, पानी, बिजली, खेल मैदान और सामुदायिक भवन जैसी सुविधाएं लोगों के जीवन को बेहतर बनाती हैं। जनता से किये सभी वादों को पूर्ण करने प्राथमिकता के आधार पर काम किया जा रहा है।

**सड़क बनने से होंगे ये लाभ :** चंडी मंदिर से उरला होते हुए शिवनाथ एनिकट तक सड़क चौड़ीकरण होने से प्रतिदिन गांव से शहर आने वाले ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी। यह प्रमुख मार्ग कई गांव को दुर्ग से जोड़ता है आवागमन का प्रमुख मार्ग भी है। जहां से बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। सड़क चौड़ी होने से ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी। दुर्घटनाओं में कमी आएगी और यात्रा अधिक सुरक्षित होगी। व्यापार, शिक्षा और दैनिक आवागमन में सुविधा बढ़ेगी।

इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, कौशल साहू, महेंद्र लोढ़ा, बंटी चौहान, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, एमआईसी मेंबर श्रीमति लीना देवांगन, कांशीराम कोसरे, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, पार्षद श्रीमति रेशमा सोनकर सहित क्षेत्र के नागरिक एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

# 22 को भिलाई में वाडाबलिजा तेलुगु महा सम्मेलन, मुख्यमंत्री साय को किया आमंत्रित



*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

वाडाबलिजा जातीय संघ भिलाई के प्रतिनिधि मंडल ने रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को शॉल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान साय को 22 फरवरी को सेक्टर 6 स्थित सतनाम भवन में होने वाले वाडाबलिजा तेलुगु महा सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

मुख्यमंत्री ने विधानसभा सत्र की व्यस्तताओं के बावजूद सम्मेलन में अवश्य उपस्थित होने का आश्वासन दिया। इस प्रतिनिधि मंडल में स्टियरिंग कमेटी के चेयरमैन मोरिपल्ली बाबूराव, स्टियरिंग कमेटी सदस्य बरीं जोगाराव, वाडाबलिजा जातिय संघ के अध्यक्ष डॉ. एल जगन्नाध राव, महासचिव कोंडप्पा कूर्माराव, कोषाध्यक्ष वासुपल्ली योगी रत्नम, संयुक्त सचिव बैपल्ली देवदासु, पूर्व अध्यक्ष गनगल्ला हरिकृष्ण, कायर्कारिणी सदस्य मैलपल्ली लोकेश कुमार, स्टियरिंग कमेटी के सक्रिय कोऑर्डिनेटर गंडुपल्ली माधवराव एवं मोरिपल्ली धर्माराव, कंबाला पापाराव, फैनान्स को-आडिर्नेटर वासुपल्ली गणेश, जोलिंगी कूर्माराव, बैपल्ली रामाराव आदि उपस्थित रहे।

समाज का चेयरमैन बाबू राव ने जानकारी दी है कि इस तेलुगू महा सम्मेलन में श्रीकाकुलम संसदीय क्षेत्र (आंध्रप्रदेश) का सांसद एवं केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और पलासा विधानसभा क्षेत्र आंध्र प्रदेश की विधायक श्रीमती गौतु शिरीषा भी भाग ले रहे हैं। साथ में रिकेश सेन, विधायक, वैशाली नगर, विजय बघेल, सांसद, दुर्ग, प्रेम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़, राकेश पाण्डेय, अध्यक्ष ,छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देवेन्द्र यादव, विधायक, भिलाई नगर को भी आमंत्रित किया गया है।

## युवती पर धारदार हथियार से प्राणघातक हमला, गिरफ्तार

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

हत्या के प्रयास के एक गंभीर प्रकरण में दुर्ग पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने युवती की गर्दन पर धारदार हथियार से प्राणघातक वार कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था।

संक्षिप्त विवरण के अनुसार, दिनांक 15 फरवरी 2026 को शाम 5 बजे के लगभग प्राथिर्या बैकुंठधाम मंदिर से पूजा कर अपने घर लौट रही थी। इसी दौरान इंदिरा चौक के पास, गली अंदर स्टेशन मरोदा क्षेत्र में आरोपी ने रास्ता रोककर बातचीत करने का प्रयास किया। प्राथिर्या के नहीं रुकने पर आरोपी पूर्व परिचय एवं पुरानी प्रताड़ना के चलते आक्रोशित हो गया और जान से मारने की नीयत से अपने पास रखे धारदार हथियार से उसकी गर्दन पर प्राणघातक वार कर दिया। बचाव के दौरान प्राथिर्या के दाहिने हाथ की कलाई, दाहिने गाल एवं दाहिनी पसली के पास चोटें आईं।

प्राथिर्या की रिपोर्ट पर थाना नेवई में अपराध क्रमांक 82/2026, धारा 109 इठर के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी को चिन्हित कर 16 फरवरी को विधिवत गिरफ्तार



किया गया। आरोपी को न्यायालय, दुर्ग में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। पूर्व परिचय के कारण आरोपी ने उसे लगातार परेशान किए जाने से उत्पन्न आक्रोश एवं प्रतिशोध की भावना। घटना इंदिरा चौक के पास, गली अंदर स्टेशन मरोदा, थाना नेवई, जिला दुर्ग के पास का है।

आरोपी योगेन्द्र कुमार यादव उर्फ छोटू उर्फ टायलेट, उम्र 30 वर्ष, निवासी इंदिरा चौक स्टेशन मरोदा, थाना नेवई, जिला दुर्ग। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी नेवई सउनि करण सोनकर, सउनि निगम पात्रे, प्रआरक्षक हेमंत चंदेल, आरक्षक शाहबाज खान एवं आरक्षक विजय कुर्रे की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# मुख्यमंत्री साय ने दिलीप ठाकुर को छत्तीसगढ़ गौरव रत्न से किया सम्मानित

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

नगर की प्रतिष्ठित ओम सत्यम शिक्षण एवं जन विकास समिति के अध्यक्ष सीताराम ठाकुर तथा सचिव, जिला चिकित्सालय की जीवन दीप समिति के आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर को छत्तीसगढ़ शासन के मुखिया श्र्रँह्ल४ ॐङ्गं्रं द्वारा ह्यछत्तीसगढ़ गौरव रत्नह्व सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान उन्हें वर्षों से किए जा रहे सतत सेवा, चिकित्सा एवं रचनात्मक सामाजिक कार्यों के लिए प्रदान किया गया।



दिलीप ठाकुर द्वारा आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग अंतर्गत संचालित विज्ञान विकास केंद्र तथा एससी/एसटी कन्या छात्रावास परिसर, दुर्ग की छात्राओं के लिए नियमित स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। इसके साथ ही सेंट्रल जेल के चिह्नित बंदियों को चिकित्सा सेवाएं, पुलगांव नाका स्थित समाज कल्याण विभाग के वृद्धाश्रम में वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण, मार्गदर्शन एवं दवाइयों का वितरण भी निरंतर किया गया।

आध्यात्मिक एवं सेवा कार्यों में अग्रणी श्री सत्य साईं सेवा समिति के तत्वावधान में ग्रामीण अंचलों में विशाल मेडिकल कैंप आयोजित कर चिह्नित नेत्र रोगियों को चश्मे उपलब्ध कराए गए। साथ ही सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के अंतर्गत अनेक दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण दिलाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। गर्मी के मौसम में प्याऊ सेवा के माध्यम से वर्षों से उल्लेखनीय योगदान दिया जा रहा है।

कोरोना महामारी के संक्रामक काल में जरूरतमंदों को मास्क, सेनेटाइजर एवं राशन उपलब्ध कराने में उनके प्रशंसनीय योगदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा भी पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी उन्हें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री द्वारा मूल्यवान सेवा एवं रचनात्मक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष द्वारा राज्य स्तरीय ह्यगुरु रत्नह्व एवं ह्यछत्तीसगढ़ सेवा रत्नह्व सम्मान से भी अलंकृत किया जा चुका है।

इस सम्मान पर श्री सत्य साईं सेवा समिति, सत्यम शिवम् सुंदरम समिति, जिला चिकित्सालय जीवन दीप समिति, राजपूत क्षत्रिय महासभा (1282), केंद्रीय गोंडवाना समाज, छ.ग. स्वास्थ्य कमर्चारी संघ दुर्ग संभाग सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

## ओपीडी में कमर्चारी एवं डॉक्टरों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की, चिकित्सालय के मेस में नाश्ता और दाल का स्वाद चखा

# कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

*नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग*

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जिला चिकित्सालय दुर्ग का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय ओपीडी में कमर्चारी और डॉक्टर अनुपस्थित पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन को ओपीडी प्रारंभ होने के पूर्व कमर्चारी एवं डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान कलेक्टर ने डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं आभा आईडी की जानकारी ली।

शिकायत के आधार पर ई.सी.जी. मशीन संचालन हेतु ऑपरेटर की ड्यूटी, नाम एवं मोबाईल नंबर एवं समय उल्लेखित करने निर्देशित किये। कलेक्टर ने सिकलसेल प्रबंधन कक्ष में सिकलिंग पहचान की जानकारी ली। उन्होंने चिन्हांकित लोगों का ऑनलाईन एंट्री कराने तथा पेसेंट के ओपीडी पर्ची में आभा आईडी अद्यतन करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिला अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध करायी जा रही भोजन व्यवस्था की जानकारी ली। सिविल सर्जन ने बताया कि अंकित महिला स्व. सहायता समूह द्वारा उक्त व्यवस्था संचालित की जा रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने यहां पर पेसेंट के लिए तैयार नाश्ता, दाल एवं भोजन का स्वाद चखा। उन्होंने समूह के सदस्यों को निर्धारित मेनू के आधार पर चिकित्सालय में भर्ती पेसेंट को समय पर नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।



साथ ही स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बाते कहीं। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय के जन औषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाइयों और विभिन्न वार्डो का भी निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से रू-ब-रू चर्चा कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधा के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सिविल सर्जन डॉ. अशिशान मिंज को चिकित्सालय में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और चिकित्सकों और कमर्चारियों की निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने तथा अनुपस्थिति पर अनुशासनात्मक कायर्वाही करने के कड़े निर्देश दिये।

## देहदानियों का किया गया सम्मान

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

राष्ट्रीय महिला दिवस पर सामाजिक संगठन सर्व धर्म सेवा संस्था ने भिलाई निवास कॉफी हाउस में सम्मान समारोह का आयोजन किया। पुलवामा के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्य अतिथि समाज सेवी इंद्र जीत सिंह छोटू थे। अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष सुरेश खाण्डवे ने की। विशेष अतिथि के रूप में वीरेन्द्र सतपथी एवं शहाना कुरैशी, निधि चंद्राकर एवं डॉ. उदय थे।

मुख्य अतिथि सिंह ने कहा कि देहदान चिकित्सा शिक्षा व अनुसंधान के लिए जरूरी है किन्तु इसके प्रति जनजागरूकता की आवश्यकता है। शहाना कुरैशी ने शारदा एक्ट से लेकर विशाखा एक्ट तक का जिक्र किया। शपथ फाउंडेशन के वीरेन्द्र सतपथी ने कहा कि प्रत्येक मृत परिजन स्वर्गीय ही कहलाता है। इसलिए स्वर्ग की चिंता छोड़ें और इस जीवन में कुछ न कुछ रचनात्मक करने और मानवता को लौटाने की कोशिश करें।

कार्यक्रम में अंगदान, देहदान का संकल्प लेने वाले 25 महिलाओं व 16 पुरुष महादानियों का सम्मान कर उनके मानवीय संकल्प को नमन किया गया। संचालन ज्योति शर्मा एवं प्रतीक भोई ने किया। घनश्याम पाण्डेय ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रतीक भोई, राकेश रत्नाकर, घनश्याम पाण्डेय, रघुवंश सैनी, आदि उपस्थित थे।

# चिकित्सकों की सतर्कता से बची प्रसूता की जान,पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट के बाद सफल इलाज

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

स्व. श्री लखीराम अगरवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध संत बाबा गुरु घासीदास जी स्मृति शासकीय चिकित्सालय रायगढ़ के चिकित्सकों की तत्परता, उच्चस्तरीय चिकित्सा प्रबंधन और समन्वित टीमवर्क के चलते एक 23 वर्षीय प्रथम गर्भ प्रसूता को पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट जैसी अत्यंत गंभीर स्थिति से सफलतापूर्वक बचा लिया गया।

मरीज 23 वर्षीय महिला जो पहली बार गर्भवती थीं, को प्री-एक्लेम्पसिया (गर्भावस्था में उच्च रक्तचाप) की शिकायत थी। जो अत्यधिक गंभीर स्थिति में निजी अस्पताल से मेडिकल कॉलेज के आपातकालीन विभाग में 02 फरवरी 2026 को दोपहर लगभग 12 बजे अत्यधिक उच्च रक्तचाप और सांस लेने में गंभीर तकलीफ के साथ लाया गया। चिकित्सक द्वारा जांच में पल्मोनरी एडीमा (फेफड़ों में पानी भरना) की पुष्टि हुई, जो जानलेवा स्थिति होती है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल आपातकालीन सिजेरियन सेक्शन का निर्णय लिया गया। ईलाज के दौरान मरीज को अचानक पेरिपार्टम कार्डियक अरेस्ट (हृदय गति रुकना) हो गया।

डॉ. ए.एम. लकड़ा (विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया) ने बताया कि हमारी चिकित्सकीय टीम ने तुरंत स्थिति की पहचान कर उच्च गुणवत्ता वाली सीपीआर प्रारंभ की। त्वरित और समन्वित प्रयासों से मरीज की हृदयगति पुनः स्थापित की गई। इसके बाद मरीज को वेंटिलेटर सपोर्ट पर आईसीयू में रखा गया, जहां गहन निगरानी एवं व्यवस्थित पोस्ट-कार्डियक अरेस्ट केयर प्रदान की गई।

लगभग तीन दिनों तक वेंटिलेटर सपोर्ट पर रहने के बाद मरीज की स्थिति में लगातार सुधार हुआ। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में धीरे-धीरे वेंटिलेटर हटाया गया और अंततः 12 फरवरी 2026 को मरीज को आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट किया गया।आज मरीज को सफलतापूर्वक ईलाज कर डिस्चार्ज किया गया।

इस जटिल और जीवनरक्षक प्रक्रिया का संचालन एनेस्थीसिया विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद मसीह लकड़ा के साथ स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. टी.के. साहू एवम डॉ. चंद्रभानु पैंकरा, डॉ. अशोक सिंह सिदार, डा. लेश पटेल, डॉ. अनीश, डॉ. लक्ष्मी यादव, डॉ. अमित भोई, डॉ. सुभाष राज तथा ऑपरेशन थिएटर (डब्ल) स्टाफ ने इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में उत्कृष्ट सहयोग रहा। अस्पताल अधीक्षक डॉ एम.के. मिंज ने कहा कि यह सफलता समय पर पहचान, उच्च गुणवत्ता वाली सीपीआर, त्वरित निर्णय, और बहु-विषयक समन्वित टीम के प्रयासों का परिणाम है।यह घटना दर्शाती है कि यदि उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था में विशेषज्ञ चिकित्सकीय देखरेख उपलब्ध हो, तो अत्यंत गंभीर परिस्थितियों में भी जीवन बचाया जा सकता है।

## खास खबर

### दुकान और 6 फल ठेला संचालकों पर नगर निगम ने लगाया जुर्माना

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

नगर पालिक निगम के जोन 5 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित शिकायत पर नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही और नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक के निर्देश पर रायपुर नगर निगम जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत कुशालपुर चौक के समीप अमृततुल्य दुकान और फल ठेलों की स्वच्छता का औचक निरीक्षण नगर निगम जोन 5 जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा स्वच्छता निरीक्षक दिलीप साहू प्रेम मानिकपुरी की उपस्थिति में किया। इस दौरान नगर निगम जोन 5 में प्राप्त जनशिकायत स्थल निरीक्षण के दौरान पूरी तरह सही पायी गयी एवं गंदगी मिलने पर अमृततुल्य दुकान के संचालक पर 500 रू और 6 फल ठेला संचालकों अण्डा ठेला संचालकों पर 1200 रू उन्हें भविष्य के लिए कड़ी कार्यवाही की चेतावनी देते हुए कुल 1700 रू. जुर्माना किया गया एवं प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान किया गया।

# छत्तीसगढ़ का वर्ष 2026-27 का बजट 24 फरवरी को होगा पेश

## विकसित भारत के अनुरूप होगा बजट, 1.50 लाख करोड़ को बजट होगा अनुमानित

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी से शुरू हो रहा है। वर्ष 2026-27 का बजट 24 फरवरी को पेश किया जाएगा। यह बजट छत्तीसगढ़ के विकसित विजन को लेकर बनाया जा रहा है। बजट में महिला, किसान, मजदूर एवं युवाओं तथा अधोसंरचना विकास के लिए महत्वपूर्ण घोषणा किए जाने की संभावना है।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कार्यकाल का तीसरा बजट 24 फरवरी को पेश किया जाएगा।पहले बजट में ज्ञान और दूसरे बजट गति को महत्व दिया गया था। तीसरे बजट में विकसित भारत को महत्व दिया जाएगा।मोदी की गारंटी और भाजपा घोषणा पत्र के अनुरूप यह बजट बनाया जाएगा, जिसमें सरकार का विजन स्पष्ट होगा। बजट में गुड गवर्नेंस को भी महत्व दिया जाएगा। बजट पेश करने के बाद

होली का अवकाश रहेगा, इसके पश्चात इस पर चर्चा होगी।

### विकसित भारत के अनुरूप होगा बजट

छत्तीसगढ़ का वर्ष 2026-27 का बजट 1.50 लाख करोड़ होने का अनुमान है, पिछले वर्ष 2025-26 का बजट एक लाख 20 हजार के आसपास था। वित्तीय घाटा एवं राजकोषीय घाटे को देखते हुए इस बजट को बनाय जा रहा है। बजट मे स्थापना व्यय पर नियंत्रण पाते हुए, अधोसंरचना विकास को महत्व दिए जाने संभावना है। जीएसटी लागू करने के बाद नया कर नहीं लगाया जा सकता, इसलिए सरकार को अब केन्द्र की राशि पर निर्भर रहना पड़ता है। सरकार को पंचायत विभाग के अधीन आवास योजना, सड़क योजना, शिक्षा विभाग में मिड-डे-मिल तथा स्वास्थ्य विभाग में पीएम केयर तथा नेत्र ऑपरेशन एवं एड्स के लिए बड़ी राशि दी जाती है। नगरीय निकाय में शहरी-गरीबी अपशमन योजना तथा भागीरथी योजना एवं जेएनआरयूएम योजना संचालित की जाती है, जबकि गृह विभाग में आकांक्षी योजना के नाम एक बड़ी राशि आती है। पीडब्ल्यूडी तथा सिंचाई विभाग में भी बड़ी राशि खर्च की जाएगी। नया मेडिकल कॉलेज, पोलिटेक्निक कॉलेज, कृषि महाविद्यालय, आईटीआई खोले जाएंगे।

### कई योजनाओं का नाम बदलने की तैयारी

केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नाम बदलकर बीजी राम-जी कर दिया गया है, इसी तरह राज्य सरकार के भी विभिन्न योजनाओं का नाम बदलने जाने योजना है। महतारी वंदन योजना, कृषि उन्नत योजना के तहत कई योजनाएं महिलाओं और किसानों के लिए चल रही है। युवाओं तथा बुजुर्गों के लिए भी कई योजनाएं संचालित की जाएगी।

# मुख्य सचिव ने मंत्रालय महानदी भवन में नवा अंजोर विजन @ 2047 मॉनिटरिंग पोर्टल की समीक्षा की

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ नवा अंजोर विजन@ 2047 मॉनिटरिंग पोर्टल की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के सचिव उपस्थित रहे। मुख्य सचिव ने नवा अंजोर विजन@ 2047 के अंतर्गत निर्धारित इंडिकेटर्स की राज्य स्तरीय समीक्षा करते हुए सभी विभागीय सचिवों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति, निर्धारित लक्ष्यों की नियतकालिक उपलब्धि तथा अद्यतन जानकारी मॉनिटरिंग पोर्टल में समय-समय पर दर्ज करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि पोर्टल के माध्यम से योजनाओं की प्रगति की प्रभावी निगरानी एवं मूल्यांकन संभव है, जिससे राज्य के विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में गति आएगी। मुख्य सचिव ने सभी विभागीय सचिवों को अपने विभागीय डैशबोर्ड पर ऑनलाइन प्रगति की नियमित समीक्षा करने तथा निर्धारित इंडिकेटर्स के अनुरूप कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। बैठक में विजन 2047 के लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति हेतु समन्वित एवं परिणामोन्मुख कार्यवाही पर विशेष जोर दिया गया।

# कुपोषण को समाप्त करने यतियतन लाल वार्ड में लगाया वजन त्योहार शिविर

*नई दृष्टिबिंदु / महासमुंद*

जिले में बच्चों के पोषण स्तर में सुधार एवं कुपोषण को समाप्त करने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 9 से 18 फरवरी तक वजन त्योहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शहरी परियोजना अंतर्गत यतियतन लाल वार्ड में वजन त्योहार एवं विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका उपाध्यक्ष देवीचंद एवं पार्षद सुनैना ठाकुर उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया तथा उनका वजन एवं ऊंचाई मापी गई।

शिविर के दौरान उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने कहा कि नियमित वजन मापन से कुपोषण की पहचान समय पर की जा सकती है, जिससे बच्चों को बेहतर पोषण एवं देखभाल मिलती है। उन्होंने न्योता भोज को जनसमुदाय से जोड़ने

की अपील करते हुए समाज की सहभागिता को आवश्यक बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार संभव है। शिविर में कुपोषित एवं अत्यंत कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें विशेष पोषण आहार एवं आवश्यक चिकित्सा सुविधा से जोड़ने की प्रक्रिया की गई। वहीं गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आयरन, कैल्शियम एवं अन्य पोषक तत्वों के सेवन की सलाह दी गई। वर्तमान में इस सेक्टर के केंद्रों में 0 से 5 वर्ष के 169 बच्चे, 40 किशोरियां एवं 32 गर्भवती महिलाएं पंजीकृत हैं। कार्यक्रम में परियोजना अधिकारी श्रीमती शैल नायिक, सुपरवाइजर शीला प्रधान के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता राखी शर्मा सहित सहायिका, मितानिन, पालकगण एवं बच्चे उपस्थित रहे।

# सुरक्षा को लेकर पुलिस कमिश्नर डॉ. शुक्ला से व्यापारियों ने की भेंट

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

महादेव घाट रोड व्यापारी कल्याण संघ का प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष विमल बाफना के नेतृत्व में सरल मिलनसार रायपुर शहर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला से सौजन्य भेंट कर उन्हें नए दायित्व जिम्मेदारी प्राप्त होने पर पुष्प गुच्छ देकर बधाई दी।

डॉ. संजीव शुक्ला ने व्यापारियों को अपने दुकानों के सामने सामान ना निकालने हेतु जागरूक करने का आग्रह किया जिस पर व्यापारी संघ के व्यापारियों ने पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया इसके साथ ही चर्चा के दौरान व्यापारियों को असामाजिक तत्वों लाखे नगर चौक पर पुलिस व्यवस्था पेट्रोलियम गश्त लगातार करने का निवेदन किया तथा व्यापारियों को त्योहार आदि पर सुरक्षा प्रदान किए जाने का आग्रह किया जिस पर उन्होंने पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। डॉ. संजय शुक्ला से सौहार्द पूर्ण वातावरण में अच्छी बातचीत हुई प्रतिनिधिमंडल में विमल बाफना राम चौरसिया विनोद जोशी प्रशांत भागवत विनोद जैन वैभव सालुंखे चंद्रेश देवांगन राज अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

# मधुमक्खी पालन से स्व-सहायता समूह की आय में हुई वृद्धि

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मधुमक्खी पालन पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कम लागत में अधिक आय देने वाला प्रभावी स्वरोजगार माध्यम सिद्ध हो रहा है। बगीचा विकासखंड के ग्राम चम्पा में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की गई है। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना अंतर्गत के तहत स्व सहायता समूह का गठन कर महिलाओं को मधुमक्खी पालन के लिए प्रेरित एवं प्रशिक्षित किया गया।

समूह की महिलाओं को मधुमक्खी पालन हेतु 5 बक्से निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। वर्तमान में रबी सीजन के दौरान सरसों की फसल के समीप बक्से स्थापित कर वैज्ञानिक पद्धति से पालन किया जा रहा है, जिससे बेहतर उत्पादन की संभावना है। समूह द्वारा एक माह में 5 बक्सों से लगभग 10 किलोग्राम शहद का उत्पादन किया गया, जिसे स्थानीय बाजार में 500 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से विक्रय कर आय अर्जित की गई। इससे समूह की महिलाओं में उत्साह एवं आत्मविश्वास का संचार हुआ है। मधुमक्खियां परागण के माध्यम से जैव विविधता को बढ़ावा देती हैं तथा फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करती हैं।

# शिव आरती व दीपोत्सव के साथ पाली महोत्सव 2026 का हुआ शुभारंभ

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

ऐतिहासिक नगरी पाली में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर पाली महोत्सव 2026 का शुभारंभ शिव आरती, दीपोत्सव और भव्य आतिशबाजी के साथ हुआ। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शाम लगभग 7 बजे पाली शिव मंदिर घाट में शिव आरती और दीपोत्सव ने समां बांध दिया। पाली के ऐतिहासिक शिव मंदिर और सरोवर के चारो ओर दीपों की जगमगाती रोशनी और शांत माहौल में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत का मेल दिखाई दिया।

मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, श्रम, उद्योग, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में दीपोत्सव का भव्य

आयोजन हुआ। इस दौरान गंगा आरती, धूप आरती के साथ धार्मिक माहौल दिखाई दिया। मंत्री श्री देवांगन सहित अन्य अतिथियों ने पाली के ऐतिहासिक मंदिर में पूजा अर्चना भी किया और सभी के सुख समृद्धि की कामना की।

इस दौरान विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल, विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर हीरा सिंह मरकाम, कोरबा महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती निकिता मुकेश जायसवाल, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष अजय जायसवाल तथा ग्राम पंचायत केराझरिया की सरपंच श्रीमती गिरजा सत्यनारायण पैंकरा,पार्षद नरेन्द्र देवांगन अन्य जनप्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी आदि उपस्थित रहें।

**कार्यक्रम** भटगांव में अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण को मिली गति

# मंत्री राजवाड़े ने 18.38 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्रदेश में संतुलित एवं समावेशी विकास को गति देने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण के कार्य निरंतर जारी हैं। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री तथा भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत लगभग 18.38 करोड़ रुपए की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन एवं प्रारंभ पूजन किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने ग्राम शिवनंदनपुर स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में अधोसंरचना मद अंतर्गत 3.41 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इनमें नकना तालाब घाट निर्माण, फुटपाथ निर्माण, अटल परिसर निर्माण, आर.सी.सी. नाली निर्माण तथा बी.टी. रोड निर्माण कार्य शामिल हैं।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एक अन्य भूमिपूजन एवं प्रारंभ पूजन कार्यक्रम में भी सम्मिलित हुईं, जिसमें लोक निर्माण विभाग अंतर्गत 14.97 करोड़ रुपए (लगभग 15 करोड़ रुपए) की लागत से दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य शामिल हैं। इनमें भटगांव से अनरगवा मार्ग (6.00 किमी) के चौड़ीकरण एवं निर्माण हेतु 878.50 लाख रुपए तथा पकनी से चेन्द्रा मार्ग (5.60 किमी) के चौड़ीकरण एवं निर्माण हेतु 618.63 लाख रुपए की स्वीकृति सम्मिलित है। इन सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा में उल्लेखनीय सुधार होगा तथा व्यापारिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही ग्राम स्तर पर आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण होगा और स्थानीय नागरिकों को सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुगम अधोसंरचना उपलब्ध हो सकेगी।

इस अवसर पर मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शासन का उद्देश्य नागरिकों के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाना तथा विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्यों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में वन विकास निगम अध्यक्ष रामसेवक पैकरा सहित जनप्रतिनिधिगण, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

# राज्यपाल रमेन डेका के गोद ग्राम टेमरी के ग्रामीणों ने किया लोकभवन का भ्रमण

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर लोकभवन की गतिविधियों से जनसामान्य को जोड़ने के उद्देश्य से लोकभवन का भ्रमण कराया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिले के ग्राम टेमरी के जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों के सदस्यों और अन्य ग्रामीणों ने सरपंच शिवमूर्ति कोसले और विहान स्व-सहायता समूहों की प्रमुख सुश्री गीता बंजारे के साथ लोकभवन का भ्रमण किया।

लोकभवन परिसर स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम, उदंती परिसर, कन्हार परिसर, डिस्पेंसरी, सचिवालय की विभिन्न शाखाओं और हरे-भरे उद्यान का भ्रमण कराया गया और इन स्थानों के संबंध में उन्हें विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई। ग्रामीणों ने परिसर में स्थापित तोप का भी अवलोकन किया यह वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के दौरान उपयोग में लाया गया था। भ्रमण एवं अवलोकन के बाद ग्रामीणों ने बताया कि लोकभवन में आकर उन्हें बहुत आनंद का अनुभव हो रहा है। उल्लेखनीय है कि इस ग्राम को राज्यपाल श्री डेका ने गोद लिया है।

## संपादकीय

# गुमशुदाओं की तलाश

### देशव्यापी साजिशों का हो पर्दाफाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशत: बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता।

> जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता।

लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था।

दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा। साथ ही यह भी पता लगाने की जरूरत है कि लापता लोगों के मामले में अपराधियों की कारगुजारियों में कहीं एकरूपता तो नहीं है। विगत में मानव तस्करी के मामले गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं, जिसमें लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस संकट का समाधान तभी संभव होगा जब देश के सभी राज्यों से प्रामाणिक आंकड़े जुटाए जाएंगे। उनके व्यापक अध्ययन से अपराध करने की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके साथ ही जरूरी है कि राज्य सरकारें भी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाएं। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न की जाए। इसके अलावा निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। देश की कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने के लिए इन घटनाओं को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाना भी जरूरी है। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय की तरफ से राज्यों में बच्चों की गुमशुदगी के आंकड़े दर्ज करने के लिए जो पोर्टल बनाया गया है, उसमें नियमित रूप से आंकड़े क्यों नहीं दर्ज किए जाते हैं। यह विडंबना है कि सरकारों को जिस दायित्व को अपने स्तर पर ईमानदारी से निभाने की जरूरत होती है, उसके लिये देश की शीर्ष अदालत को बार-बार याद दिलाना पड़ता है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए भी सुरक्षा गाइड लाइन्स जारी करने की जरूरत है, जिससे लोग बच्चों की सुरक्षा के लिए सजग व सतर्क रह सकें।

# अंडमानः प्रकाश, निस्तब्धता और अनंत नीलाई का आमंत्रण

रमेश जायभाये

कुछ यात्राएँ कैलेंडर में दर्ज छुट्टियाँ नहीं होतीं—वे जीवन की धड़कनों में उतरकर एक नई लय रच देती हैं। अंडमान द्वीपसमूह ऐसी ही एक अनुभूति है, जहाँ पहुँचते ही लगता है मानो समय ने स्वयं को धीमा कर लिया हो। जैसे ही विमान बादलों के आवरण को हटाता है, नीचे फैला समुद्र नीले रंगों की उस दुर्लभ छटा में दिखाई देता है, जिसे आँखें देखती हैं, पर शब्द पकड़ नहीं पाते। फिरोज़ी किनारे, नीलम-सी गहराइयाँ, और जल पर बिखरे पन्ना-से द्वीप—मानो प्रकृति ने अपने स्वप्नों की सबसे कोमल चित्रकला यहाँ उकेरी हो।

अंडमान के तट केवल रेत और लहरों का दृश्य नहीं, मन:स्थितियों का विस्तार हैं। स्वराज द्वीप का राधानगर बीच उस निर्मल सौंदर्य का प्रतीक है, जहाँ रेशमी श्वेत रेत पर सूर्य की सुनहरी किरणें उतरती हैं और समुद्र अपनी शांत, पारदर्शी लहरों से यात्रियों का स्वागत करता है। यहाँ चलना ऐसा लगता है जैसे किसी कविता के भीतर प्रवेश कर रहे हों—हर लहर एक पंक्ति, हर झोंका एक उपमा।

शहीद द्वीप का स्वभाव अलग है—यह द्वीप शांति का सौम्य विस्तार है। भरतपुर बीच की उथली, काँच-सी स्वच्छ लहरें, प्राकृतिक शिला-सेतु की अद्भुत संरचना, और हवा में घुली एक अव्यक्त निस्तब्धता—यहाँ प्रकृति धीरे-धीरे हृदय को खोलती है।

भीड़ से दूर, प्रकृति के अधिक अंतरंग स्पर्श की चाह हो तो लॉन्ग आइलैंड का लालाजी बे बीच किसी गुप्त स्वर्ग जैसा खुलता है—जहाँ न कोई कोलाहल, न कोई हड़बड़ी, केवल समुद्र और आत्मा का मौन संवाद। उत्तर अंडमान में रॉस और स्मिथ द्वीप का दृश्य विस्मित कर देता है। दो द्वीपों को जोड़ती रेत की पतली उजली रेखा—जैसे समुद्र ने स्वयं अपने विस्तार पर एक स्वप्निल हस्ताक्षर कर दिया हो। ज्वार-भाटा के साथ बदलता यह दृश्य हर बार नया चमत्कार बन जाता है। रोमांच के रंगों से भरा संसार देखना हो तो नॉर्थ बे द्वीप जल-क्रीड़ाओं का जीवंत मंच है। स्कूबा डाइविंग में जब आप जल के भीतर उतरते हैं, तब प्रवाल भित्तियों का रंगीन नगर खुलता है—लाल, पीले, बैंगनी प्रवाल, चंचल मछलियाँ, धीमे तैरते कछुए। वहाँ नीचे एक निस्तब्ध, पर जीवंत ब्रह्मांड है, जहाँ समय का अर्थ बदल जाता है।

जॉली बॉय द्वीप और रेड स्किन द्वीप की जल-पारदर्शिता प्रवालों को मानो काँच के आर-पार देखने जैसा अनुभव देती है। यहाँ समुद्र केवल देखा नहीं जाता—महसूस किया जाता है।

चिड़िया टापू की संध्या रंगों का उत्सव है। सूर्यास्त यहाँ केवल दृश्य नहीं, एक भावानुभूति है—अंबर से लालिमा, लालिमा से बैंगनी, और फिर धीरे-धीरे उतरती सांध्य निस्तब्धता।

वांडूर से मरीन नेशनल पार्क का संसार खुलता है—जहाँ समुद्री जैव-विविधता प्रकृति के संरक्षण और सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करती है।

लिटल अंडमान झरनों, सर्फिंग और शांत रोमांच का द्वीप है। डिगलीपुर, रंगत, और मायाबंदर—ये सभी द्वीप अंडमान के उस सरल, ग्रामीण, आत्मीय जीवन का परिचय कराते हैं जहाँ प्रकृति और मनुष्य एक संतुलित सहअस्तित्व में दिखाई देते हैं।

दूर समुद्र में बैरन आइलैंड—भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी—जल और अग्नि का विस्मयकारी संतुलन। अंडमान के द्वीपों की यह विविधता यात्रियों को केवल आकर्षित नहीं करती—मोहित कर लेती है।

### वन, गुफाएँ और प्राचीन उपस्थिति

अंडमान का हृदय उसके वनों में धड़कता है। यहाँ के उष्णकटिबंधीय वर्षावन धरती की प्राचीन स्मृतियों का हरित अभिलेख हैं। वृक्ष यहाँ केवल खड़े नहीं, जैसे आकाश से संवाद करते हुए ऊपर उठते हैं। पत्तों के बीच छनकर आती धूप, हवा में घुली मिट्टी और नमी की सुगंध, और पक्षियों की मधुर पुकार—वन का प्रत्येक क्षण एक ध्यान, एक विश्राम, एक पुनर्जागरण है। मैंग्रोव वन अंडमान की जीवनरेखा हैं। उनकी जटिल जड़ें जल और भूमि के बीच अद्भुत संतुलन रचती हैं। नाव से इनके बीच गुजरना ऐसा लगता है जैसे किसी हरित, रहस्यमयी गलियारे में प्रवेश कर रहे हों—जहाँ प्रकृति की निस्तब्धता स्वयं एक संगीत बन जाती है। बारातांग द्वीप इस अनुभव को और गहन करता है। यहाँ की चूना-पत्थर (लाइमस्टोन) गुफाएँ प्रकृति की धीमी, धैर्यपूर्ण कला का साक्षात प्रमाण हैं। हजारों वर्षों में टपकती जल-बूँदों ने जिन स्तंभों और आकृतियों को गढ़ा है, वे किसी प्राचीन, निस्तब्ध मंदिर की अनुभूति कराते हैं। गुफा के भीतर शीतल हवा, टपकते जल की लय, और धुँधली रोशनी—मानो समय ने स्वयं को थाम लिया हो।

अंडमान की धरती केवल प्राकृतिक नहीं, सांस्कृतिक विरासत से भी संपन्न है। यहाँ के मूल जनजातीय समुदाय इस भूभाग की प्राचीन आत्मा हैं। जारवा समुदाय का जीवन प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य में बीतता है। उनके लिए वन संसाधन नहीं, संबंध हैं; भूमि अधिकार नहीं, अस्तित्व है। आधुनिक समाज के लिए यह आवश्यक है कि इन समुदायों की गरिमा, निजता और परंपराओं का सम्मान सर्वोपरि रहे। अंडमान की यात्रा तभी पूर्ण है जब हम उसके इस मानवीय आयाम के प्रति संवेदनशील रहें। वनों के भीतर चलना, पक्षियों की दुर्लभ प्रजातियों को देखना, जैव-विविधता की उस समृद्धि को अनुभव करना—यह सब अंडमान को केवल पर्यटन स्थल नहीं, एक जीवित प्राकृतिक विश्वविद्यालय बना देता है।

### जीवन, श्रम, स्वाद और आनंद का अर्थ

अंडमान में समुद्र केवल सौंदर्य का विस्तार नहीं, जीवन का आधार है। मत्स्य पालन यहाँ की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का प्रमुख स्वर है। भोर की धुँधली उजास में समुद्र की ओर जाती नावें, लौटते जाल, और ताज़ी मछलियों की चमक—यह सब श्रम और प्रकृति के गहरे संबंध की कथा कहता है। नारियल के वृक्ष अंडमान की पहचान हैं। समुद्री हवा के साथ झूमते ये वृक्ष केवल दृश्य नहीं, आजीविका का आधार हैं। नारियल यहाँ भोजन, तेल, पेय, हस्तशिल्प और व्यापार—सभी का महत्वपूर्ण स्रोत है। गाँवों में नारियल की खेती जीवन की सहज लय रचती है। कुछ द्वीपों पर धान की खेती हरित विस्तार का सुंदर दृश्य प्रस्तुत करती है। वर्षा से भीगी मिट्टी, लहलहाते खेत, और किसानों का श्रम—यहाँ का ग्रामीण जीवन अंडमान के उस शांत, आत्मनिर्भर स्वरूप को दर्शाता है जहाँ प्रकृति और मनुष्य सहजीवन में बंधे हैं। पर्यटन यहाँ केवल दृश्यावलोकन नहीं, अनुभव है। समुद्र में स्कूबा डाइविंग, स्नॉर्कलिंग, सी-वॉक; तटों पर विश्राम; वन-पथों पर पदयात्रा; नावों से द्वीपों की यात्राएँ—हर गतिविधि आनंद का नया आयाम खोलती है। आदिवासी यहाँ औपचारिक नहीं, आत्मीय है। समुद्र-समीप रिसॉर्ट्स, हरित कॉटेज, सरल होमस्टे—हर ठहराव में एक सहज ऊष्मा है। सुबह खारे पवन का स्पर्श, शाम लहरों की ध्वनि—विश्राम को भी एक काव्य बना देते हैं। अंडमान का स्वाद भी उसी प्रकृति का विस्तार है। ताज़ा समुद्री भोजन, नारियल-सुगंधित व्यंजन, उष्णकटिबंधीय फल—यहाँ भोजन केवल तृप्ति नहीं, समुद्र और मिट्टी का उत्सव है। और अंतत:, अंडमान सिखाता है आनंद का सच्चा अर्थ—बिना हड़बड़ी के जीना। तट पर शांत बैठना, सूर्यास्त को निहारना, वन की निस्तब्धता में खो जाना, जल में तैरना। यहाँ समय भागता नहीं—बहता है।

अंडमान एक स्मरण है—कि जीवन केवल गति नहीं, ठहराव भी है; केवल उपलब्धि नहीं, अनुभूति भी है। आइए अंडमान—जहाँ प्रकृति प्रदर्शन नहीं करती, आलिंगन देती है। जहाँ समुद्र केवल दृश्य नहीं, संवाद बन जाता है। जहाँ वन केवल हरियाली नहीं, शांति का आश्रय बन जाते हैं। और जहाँ यात्रा समाप्त नहीं होती—हृदय में बस जाती है।

उपनिदेशक पत्र सूचना कार्यालय
रायपुर, छत्तीसगढ़

# धान प्रबंधन में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर का उभरता मॉडल

महेन्द्र सिंह

धान खरीदी विपणन वर्ष 2025-26 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले ने धान उपार्जन और उठाव प्रक्रिया को जिस प्रभावी ढंग से संचालित किया है, वह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और शासन व्यवस्था के बीच विश्वास निर्माण का महत्वपूर्ण उदाहरण बनकर सामने आया है। छत्तीसगढ़ जैसे कृषि प्रधान राज्य में धान प्रबंधन की सफलता सीधे तौर पर किसानों की आय, ग्रामीण रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था की गति से जुड़ी होती है। ऐसे में जिले का यह अभियान प्रशासनिक योजना, संसाधन प्रबंधन और संवेदनशील नेतृत्व की समन्वित कार्यशैली को दर्शाता है।

### प्रशासनिक रणनीति और क्रियान्वयन की प्रभावशीलता

इस वर्ष जिले के 19 हजार 58 किसानों से 8 लाख 79 हजार 848 क्विंटल से अधिक धान का उपार्जन किया गया, जो सरकारी खरीदी प्रणाली के प्रति बढ़ते विश्वास का संकेत है। कुल खरीदी में से 3 लाख 6 हजार 170 क्विंटल धान का 34.84 प्रतिशत उठाव अब तक पूरा होना यह दर्शाता है कि प्रशासन ने खरीदी के साथ-साथ उठाव को भी समान प्राथमिकता दी है। यह उपलब्धि दर्शाती है कि केवल लक्ष्य निर्धारित करना पर्याप्त नहीं होता, बल्कि संसाधनों का संतुलित उपयोग और सतत निगरानी भी उतनी ही आवश्यक होती है।

### संसाधन प्रबंधन और परिवहन व्यवस्था का विश्लेषण

धान उठाव की प्रक्रिया में सबसे बड़ी चुनौती भंडारण और परिवहन प्रबंधन होती है। जिले में ट्रकों की समयबद्ध उपलब्धता, मिलों तक सीधी आपूर्ति और लोडिंग्दुअनलोडिंग के लिए पर्याप्त श्रमिकों की तैनाती से उपार्जन केंद्रों पर दबाव कम हुआ है। यह मॉडल दिखाता है कि यदि लॉजिस्टिक प्रबंधन मजबूत हो, तो बड़े पैमाने पर कृषि उपज का संचालन भी सुचारू रूप से संभव है। डिजिटल मॉनिटरिंग और नियमित समीक्षा बैठकों ने निर्णय प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाया है। राज्य स्तर पर स्पष्ट नीति और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण ने जिले के अभियान को दिशा प्रदान की है। खरीदी से लेकर उठाव तक प्रत्येक चरण को समयबद्ध और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया, जिससे किसानों को भुगतान और मूल्य सुरक्षा सुनिश्चित हुई। नेतृत्व की यह स्पष्टता प्रशासनिक तंत्र में जवाबदेही और कार्यक्षमता बढ़ाने का प्रमुख कारण बनी है।

### चुनौतियां और समाधान की प्रक्रिया

हालांकि कुछ उपार्जन केंद्रों पर उठाव की गति अपेक्षाकृत धीमी रही, लेकिन प्रशासन ने इसे समस्या के रूप में स्वीकार करते हुए अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, परिवहन मार्गों की निगरानी और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि जैसे त्वरित निर्णय लिए। यह दर्शाता है कि अभियान केवल उपलब्धियों पर केंद्रित नहीं रहा, बल्कि चुनौतियों के समाधान को भी प्राथमिकता दी गई।

### किसानों का विश्वास और सामाजिक प्रभाव

19 हजार से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि सरकारी व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। समय पर खरीदी और उठाव से किसानों को आर्थिक सुरक्षा मिली है, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। यह अभियान प्रशासन और किसान के बीच संवाद और सहयोग को नई मिसाल भी प्रस्तुत करता है।

### आर्थिक प्रभाव और दीर्घकालिक महत्व

धान उठाव की तेज गति से मिलों में प्रसंस्करण कार्य शीघ्र प्रारंभ हुआ, जिससे स्थानीय रोजगार और ग्रामीण बाजारों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ीं। परिवहन और श्रमिक सेवाओं के माध्यम से भी स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति मिली है। दीर्घकालिक दृष्टि से यह मॉडल कृषि प्रबंधन को अधिक पेशेवर और व्यवस्थित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा सकता है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले का धान प्रबंधन अभियान यह स्पष्ट करता है कि मजबूत नीति, संवेदनशील नेतृत्व, प्रभावी संसाधन प्रबंधन और सतत मॉनिटरिंग के माध्यम से बड़े कृषि अभियानों को सफलतापूर्वक संचालित किया जा सकता है।

# पेड़ों को जिंदा रखने की हरी-भरी तकनीक

रेनू जैन

कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलत: कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं।

बेशक, हरियाली खुदा की सबसे बड़ी नेमतों में से एक है। इसी से जीवन में आशा, उमंग और ताज़गी जैसे भाव जागते हैं। सड़क चौड़ीकरण, हाईवे निर्माण या विकास की किसी दूसरी परियोजनाओं के लिए जब पेड़ रुकावट बन जाते हैं तो उन्हें काटने का दर्द अब हर नागरिक को समझ में आने लगा है। तमिलनाडु के कोयंबटूर शहर के लोगों को तब बहुत दुख हुआ जब सड़क चौड़ीकरण की वजह से 7,600 पेड़ों को खत्म कर दिया था। यह दुख इतना गहरा था कि वहां की कोयंबटूर की जनता ने तय कर लिया कि जब भी कोई ऐसी विकास परियोजना लागू होगी तो जद में आ रहे सारे पेड़ों को स्कूल, पार्क, मंदिर परिसर या किसी ग्रीन बफर ज़ोन में स्थानांतरित किया जाएगा। फलत: कुछ ही सालों में 5,000 पेड़ स्थानांतरित किए गए। इनमें 85 फीसद पेड़ लहलहा रहे हैं।

इसी तरह पेड़ों को बचाने के कई छोटे-छोटे ही सही अभियान में लोगों की रुचि बढ़ती जा रही। पेड़ों के कटने से दुखी हैदराबाद के रामचंद्र अप्पारी ने भी ट्री ट्रांसलोकेटिंग तकनीक का इस्तेमाल किया तथा इसी तकनीक से वे हैदराबाद के करीब पांच हजार पेड़ों को नई जगह दे चुके हैं। उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर सन 2010 से काम कर रही है। वे कहते हैं वर्ष 2008 में हैदराबाद की सड़कों को चौड़ी करने के लिए पेड़ कटने लगे तब उन्हें बहुत दुख हुआ। तब ऑस्ट्रेलिया में रह रहे अपने दोस्त से पेड़ों को स्थानांतरित किए जाने के उपायों पर पूछा। बस तभी से अब अपनी कंपनी के मार्फत सात हजार से ज्यादा पेड़ों को नया

जीवन दे चुके हैं।

दरअसल, एक पेड़ को शिफ्ट करने की लागत दस हजार रुपये से लेकर डेढ़ लाख रुपये तक आती है। वर्ष 2010 में स्थापित उनकी कंपनी ग्रीन मॉर्निंग हॉर्टिकल्चर का टर्न ओवर लगातार बढ़ रहा है। वे कहते हैं हर शहर में प्रशासन को पेड़ों को स्थानांतरित करने के टेंडर निकालने चाहिए तथा इस तकनीक को बढ़ाना चाहिए। कम होते पेड़ों के लिए यह तकनीक वरदान साबित होगी। हैदराबाद के ही वट फाउंडेशन के प्रमुख पेडि रेड्डी वर्ष 2010 से पेड़ बचाने का काम कर रहे हैं। पेड़ों के प्रति इतना लगाव है कि अब तक करीब 2200 पेड़ों को नया जीवन दे चुके हैं।

नेचर जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार मानव सभ्यता की शुरुआत से मौजूदा पेड़ों की संख्या में अब तक 46 फीसदी की कमी आ चुकी है। दुनियाभर में हर साल दस अरब पेड़ काटे जा रहे हैं जबकि हर साल सिर्फ पांच अरब पेड़ ही लगाए जा रहे हैं। चिंता की बात यह भी है कि हर दो सेकंड में एक फुटबॉल के मैदान जितना जंगल काटा जा रहा है। अकेले भारत में दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले जंगल कट रहे हैं।

ग्लोबल वार्मिंग तथा प्रदूषण की मार झेलते शहरों के लिए पेड़ों की कमी भी जिम्मेदार है। हमारे शास्त्रों में भी लिखा गया है कि एक पेड़ लगाना सौ गायों का दान देने के समान है। पद्मपुराण में जिक्र है कि जलाशय के निकट पीपल का पेड़ लगाने से व्यक्ति को सैकड़ों यज्ञों के बराबर पुण्य की प्राप्ति होती है। कहा जाता है कि पेड़ों की कतार धूल मिट्टी को 75 फीसद तक कम कर देती है और 50 फीसदी तक शोर को कम करती है। जो इलाका पेड़ों से घिरा होता है वह दूसरे दूसरे इलाकों की तुलना में 9 डिग्री ठंडा रहता है। वहां का एक पेड़ इतनी ठंडक पैदा करता है जितना एक एसी दस कमरों में 20 घंटों तक चलने पर करता है।

कम होते पेड़ों की वजह से कई दुष्प्रभाव होते हैं, जिसमें प्राकृतिक बाधाएं भी शामिल हैं। वनों की कटाई की वजह से भूमि का क्षरण होता है क्योंकि वृक्ष पहाड़ियों की सतह को बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वनों के विनाश के कारण वन्यजीव खत्म हो रहे हैं। पेड़ों की कई प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं तथा कुछ तो लुप्त हो गई हैं। वनों की कटाई से वैश्विक तापमान में वृद्धि होती है। बारिश भी अनियमित हो जाती है। इन सबके कारण 'ग्लोबल वार्मिंग' में इजाफा होता है। रेगिस्तान फैल रहा है। नदियों का पानी उथला कम, गहरा तथा प्रदूषित हो रहा है क्योंकि उनके किनारों और पहाड़ों पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। जंगल के लिए आदिवासियों का अस्तित्व आवश्यक है। जंगल का उपयोग कैसे करना है आदिवासियों को इसकी पूरी जानकारी रहती है क्योंकि वन संरक्षण के प्रति उनके मन में गहरा सम्मान होता है। पौधारोपण की कमी के कारण इस अनमोल प्राकृतिक संपत्ति का तेजी से क्षरण हो रहा है, जो जीवन और पर्यावरण के संतुलन को खराब कर रहा है। जंगल की कटाई के कारण जंगली जानवर गांवों में शरण ले रहे हैं।

जोधपुर के खेजडली गांव में 230 वर्ष पूर्व 363 लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपनी जान तक दे दी थी। तब से लेकर आज तक उस गांव में बलिदान दिवस मनाया जाता है। इसके तहत वहां मेला लगता है, जिसमें विश्नोई समाज के हजारों लोग शिरकत करते हैं तथा बलिदानियों को श्रद्धांजलि देते हैं।

वैसे भारत में कुछ साल पहले 'चिपको आंदोलन' काफी चर्चित हुआ था, जिसके अगुवा सुंदरलाल बहुगुणा थे। दरअसल, यह आंदोलन इसलिए प्रारम्भ किया गया था कि भारत के उत्तरी क्षेत्र में सरकार ने पेड़ों की अंधाधुंध कटाई प्रारम्भ कर दी थी।

## अब भी बहुत कुछ कह रही हैं किताबें

सहीराम

किताबें सचमुच बहुत कुछ कहना चाहती हैं बशर्ते वे काट-छांटवाली क्लिप्स बनकर न रह जाए। नहीं क्या? वैसे तो जी देखो, यह नया भारत है। इसमें पुराने भारत वाली कोई चीज़ चलती नहीं। लेकिन कुछ कहावतें ऐसी हैं, जो इस नए भारत में भी चल रही हैं। जैसे एक कहावत है कि बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख। नहीं भीख, भूख की बात नहीं है। अब तो देश की वित्त मंत्री ही भूख की बात नहीं मान रही, तो हम यह बेकार की बात क्यों करें। हम तो कहावत की बात कर रहे हैं और यह कहावत भी इसलिए याद आ गयी कि पिछले दिनों दिल्ली में जब विश्व पुस्तक मेला चल रहा था तो लोग यह शिकायत करते पाए गए कि किताबों को कोई नहीं पूछ रहा। लेखक, प्रकाशक सब बेचारे परेशान थे। रहे पाठक, तो जी जब दर्शक ही सिनेमाघरों तक नहीं पहुंच रहे तो पाठक ही किताबों तक कैसे पहुंचेंगे बताओ।

बताते हैं कि दर्शक तो टीवी चैनलों तक को न मिल रहे, तो किताबों को ही पाठक कहां से मिल जाएंगे। लेकिन फिर वही हुआ जी, कहावत वाला मामला कि बिन मांगे मोती मिले और मांगे मिले न भीख। जहां विश्व पुस्तक मेले में किताबों को कोई नहीं पूछ रहा था, वही संसद में उनकी इतनी पूछ हुई कि बस पूछो ही मत। वरना तो जी राज्य विधानसभाओं में तो आमतौर पर हमारे चुने हुए प्रतिनिधि वो वाले आपत्तिजनक वीडियो देखते हुए ही पाए जाते रहे हैं। लेकिन अच्छी बात यह रही कि देश की संसद में यह भी और वो भी किताबों की बात करते हुए पाए गए। किताब इनके हाथ में भी थी और किताब उनके हाथ में भी थी। यह भी अपने भाषण में किताबों को ही उद्धृत करना चाहते थे और वे भी अपने भाषण में किताबों को ही उद्धृत कर रहे थे। एक जमाने में सफ्दर की वो कविता बड़ी मकबूल हुई थी जी कि किताबें कुछ कहना चाहती हैं, तुम्हारे पास रहना चाहती हैं। लगता है कि किताबें आज भी बहुत कुछ कहना चाहती हैं। अगर कुछ नई बातें कहना चाहती हैं तो कुछ पुरानी बातों को दोहराना चाहती हैं। वरना तो टीवी एंकरों की चीख-चिल्लाहट ऐसी है कि हमेशा यही शिकायत रहती है कि कायदे की कोई बात होती ही नहीं।

ऐसे में समस्या बस एक ही है कि कहीं किताबों के उद्धरण भी अपनी-अपनी पार्टियों के आईटी सेलों द्वारा संदर्भों से काटकर डाली जाने वाली वो काट-छांटवाली क्लिपें बनकर ही न रह जाए, जिनका किसी तरह के गंभीर विमर्श से कोई लेना-देना नहीं होता है। वे सिर्फ टांग खिंचाई के लिए, एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने के लिए और एक-दूसरे की खिल्ली उड़ाने के लिए ही होती हैं।

# श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा व आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान करना राज्य सरकार की प्राथमिकता–राजवाड़े

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मुख्य आतिथ्य में सूरजपुर जिले के तिलसिंवा स्थित ऑडिटोरियम में श्रमिक जन संवाद एवं सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों, दिहाड़ी मजदूरों एवं असंगठित क्षेत्र के कामगारों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना रहा।

कार्यक्रम के दौरान श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई, ताकि प्रत्येक पात्र श्रमिक इन योजनाओं से लाभान्वित हो सके। सम्मेलन के माध्यम से जिले के 2,539 हितग्राहियों को कुल 99 लाख 66 हजार 627 रुपये की सहायता राशि वितरित की गई। साथ ही महतारी जतन योजना, सियान योजना एवं नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रतीकात्मक डेमो चेक भी वितरित किए गए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने अपने संबोधन में कहा कि श्रमिक जन संवाद केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शासन और श्रमिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, उनके जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने श्रमिकों को विकास की धुरी बताते हुए मंच पर सम्मानित भी किया।

इस अवसर पर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, प्रतापपुर विधायक श्रीमती शकुन्तला पोर्ते, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल, जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, कलेक्टर एस. जयवर्धन, श्रम अधिकारी एलेन मिंज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित रहे।

**खास खबर**

## सोमनी पुलिस ने होली के मद्देनजर कोटवारों की ली बैठक

*नई दृष्टिबिंदु / सोमनी*

पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा (भ0पु0से0) के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक अलेक्जेण्डर किरो के पर्यवेक्षण में दिनांक 16 फरवरी को थाना प्रभारी सोमनी निरीक्षक अरूण कुमार नामदेव द्वारा थाना सोमनी क्षेत्र के कोटवारों का बैठक लिया गया जिसमें सभी कोटवारों को अपने-अपने गांव में यातायात के संबंध में दो पहिया वाहन में तीन सवारी नहीं बैठने, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने एवं बिना नशे में वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने मुनादी करने बताया गया साथ ही अगामी होली त्यौहार में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाने में पुलिस का सहयोग करने के संबंध में आवश्यक हिदायत दिया गया बैठक में थाना सोमनी क्षेत्र के कोटवार सम्मिलित हुए।

### माओवादियों के अवैध स्मारक ध्वस्त

**बीजापुर।** जिले में माओवादी संगठन के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रभावी नक्सल विरोधी अभियानों के तहत सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन के दौरान आईईडी, विस्फोटक सामग्री तथा माओवादियों के अवैध स्मारकों को बरामद कर ध्वस्त किया गया। थाना उसूर क्षेत्र अंतर्गत केरिपु 229वीं वाहिनी की टीम ने ताड़पाला बेस एरिया में सघन सर्चिंग के दौरान बेस के दक्षिण दिशा की ओर नाले के पास लगाए गए दो आईईडी बरामद किए।

# पर्यटन स्थलों के विकास और सुविधाओं के विस्तार के लिए सरकार प्रतिबद्ध–मुख्यमंत्री

## मुख्यमंत्री ने झुमका जलाशय में बोटिंग और वाटर स्पोर्ट सुविधाओं का किया अवलोकन

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बैकुंठपुर स्थित प्रसिद्ध झुमका पर्यटन स्थल में निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने झुमका जलाशय में बोटिंग करते हुए क्षेत्र के मनोहारी प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया तथा यहां विकसित की गई पर्यटन सुविधाओं का अवलोकन किया।




मुख्यमंत्री साय ने झुमका जलाशय में शिकारा पर सवार होकर नौका विहार किया। चारों ओर हरियाली, शांत जलराशि और कमल के फूलों से सजा यह रमणीय स्थल अब एक आकर्षक पिकनिक स्पॉट के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां बोटिंग, वाटर स्पोर्ट्स सहित विकसित पर्यटन गतिविधियों की जानकारी ली और व्यवस्थाओं की सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लगभग 27 लाख रुपए की लागत से निर्मित ओपन थिएटर का लोकार्पण किया। 500 दर्शकों की बैठक क्षमता वाला यह ओपन थिएटर सांस्कृतिक आयोजनों के लिए नया केंद्र बनेगा।

श्री साय ने कहा कि झुमका जलाशय केवल कोरिया जिले की पहचान ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों के विकास, सौंदर्यीकरण और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, ताकि छत्तीसगढ़ को देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थापित किया जा सके। अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यटकों की सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा स्थानीय युवाओं को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।



इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, विधायक भैयालाल राजवाड़े, संभागायुक्त नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक झा, कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक रवि कुमार कुर्रे सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित थे।

# नक्सलियों का हथियार डम्प उजागर एसएलआर व इंसास राइफल बरामद

*नई दृष्टिबिंदु / गरियाबंद*

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के लगातार चल रहे सघन अभियानों का असर अब साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। जिले में नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत जिला पुलिस बल को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। थाना मैनपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बडेगोबरा स्थित सातमारी पहाड़ी इलाके में नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए हथियारों का डम्प उजागर किया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिला पुलिस बल की विशेष ई-30 ऑप्स टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि डीजीएन डिवीजन से जुड़े नक्सलियों ने सातमारी पहाड़ी के दुर्गम क्षेत्र में हथियार डम्प कर रखे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में योजनाबद्ध ढंग से सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया।

पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए इस अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने सूझबूझ और सतकर्ता के साथ सर्चिंग की। लंबे समय तक चली तलाशी के बाद पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी। सर्चिंग के दौरान नक्सलियों द्वारा डम्प कर रखे गए कुल चार हथियार बरामद किए गए। इनमें 02 नग एसएलआर, 01 नग इंसास राइफल तथा 01 नग 12 बोर हथियार शामिल हैं। बरामद हथियारों को देखकर पुलिस अधिकारियों ने आशंका जताई है कि नक्सली किसी बड़ी वारदात की तैयारी में थे।

अधिकारियों के अनुसार, जब्त किए गए हथियार अत्याधुनिक और ऑटोमैटिक श्रेणी के हैं, जिनका इस्तेमाल नक्सली आमतौर पर सुरक्षा बलों पर हमलों अथवा बड़ी घटनाओं को अंजाम देने में करते हैं। इस बरामदगी को संभावित नक्सल हिंसा को समय रहते विफल करने की दिशा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है।

गरियाबंद जिले में पिछले कुछ वर्षों के दौरान नक्सल विरोधी अभियानों में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की गई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 से अब तक विभिन्न अभियानों में 31 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं, जबकि 29 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में वापसी की है। इसके अलावा सुरक्षाबलों ने माओवादियों से 73 हथियार जप्त किए हैं, जिनमें 31 ग्रेडेड और 42 अन्य हथियार शामिल हैं। विस्फोटक सामग्री की जब्ती भी पुलिस के लिए बड़ी सफलता रही है। अभियान के दौरान 304 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 22 नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, 14 आईईडी बम, लगभग 114.49 मीटर कॉर्डेक्स वायर और 57 बीजीएल सेल बरामद किए गए हैं। साथ ही नक्सलियों से 62,50,000 रुपये की नकद राशि भी जप्त की गई है।

# शासन की योजनाओं से सशक्त हुई महिलाएं : मनबासों बनीं लखपति

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्रदेश में महिला सशक्तिकरण एवं ग्रामीण आजीविका संवर्धन की दिशा में संचालित योजनाएं जमीनी स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं। राज्य शासन की वित्तीय सहायता एवं स्व-सहायता समूह आधारित आजीविका मॉडल से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी क्रम में बलरामपुर जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत अमरावतीपुर की श्रीमती मनबासों ने उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

श्रीमती मनबासों का परिवार आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर स्थिति में था। सीमित संसाधनों में परिवार का भरण-पोषण करना चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में उन्नति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय उनके जीवन में परिवर्तनकारी साबित हुआ। समूह के माध्यम से उन्हें सामुदायिक निवेश निधि के रूप में 60 हजार रुपये तथा बैंक से 3 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। प्राप्त वित्तीय सहयोग से मनबासों ने अपने गांव में किराना एवं पूजा सामग्री की दुकान प्रारंभ की। निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं व्यवसायिक प्रबंधन के माध्यम से उन्होंने अपने उद्यम को सुदृढ़ किया। वर्तमान में वे प्रतिवर्ष लगभग 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। जहां पहले परिवार की आय हजारों रुपये तक सीमित थी, वहीं अब स्थायी आय के स्रोत से परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

श्रीमती मनबासों ने प्राप्त आय से अपने बच्चों की उच्च शिक्षा सुनिश्चित की है तथा परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही हैं। वे अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं। उनका कहना है कि शासन की योजनाओं का लाभ उठाकर एवं वित्तीय संस्थानों से समुचित सहयोग प्राप्त कर महिलाएं कृषि एवं दिहाड़ी मजदूरी से आगे बढ़कर स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बन सकती हैं। राज्य शासन द्वारा संचालित महिला स्व-सहायता समूह मॉडल न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बन रहा है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

# पट्टा संघर्ष समिति ने निगम रिसाली का किया घेराव व सौंपा ज्ञापन

*नई दृष्टिबिंदु / रिसाली*

पट्टा संघर्ष समिति रिसाली द्वारा वार्ड 37 जोरातराई में अटल परिसर में निवासरत 84 गरीब परिवारों को मकान खाली कराने के नोटिस के विरोध में नगर निगम रिसाली की आयुक्त को ज्ञापन सौंपा और तत्काल नोटिस पर रोक लगाने के लिए निवेदन किया गया आयुक्त महोदया ने तत्काल नोटिस पर रोक लगाई और आश्वासन दी कि किसी गरीब का घर नहीं तोड़ा जाएगा।

इस मौके पर पट्टा संघर्ष समिति रिसाली की अध्यक्ष श्रीमति प्रियंका गौतम, कायर्कारी अध्यक्ष बसंत सिंह, मिडिया प्रभारी पंकज सिंह, महामंत्री सी पी देशलहरे, उपाध्यक्ष राजकिशोर सिंह, राजेन्द्र रजक, सचिव भेमशंकर टावरे, मनोज बंजारे, गुरूचरण, अर्जुन सांडिल, नरेश कोठारी, महापौर शशि सिन्हा, ब्लाक कांग्रेस कमेटी 06 के अध्यक्ष दिनेश पटेल जी, मोनेश बंछोर, सरिता पांडे, पार्षदगण रोहित धनकर, संजु नेताम, जहीर अब्बास, जोरातराई से राजमोहन, अर्जुन बाग, गुरूबारो बाग, छगन लाल चन्द्राकार, निरा विश्वकर्मा, घनश्याम, सुरेन्द्र सोनी, बनवारी, मंगल हेमरोम, शंभू पाल, रूखमणी मिर्जा, लक्ष्मी सोने, गुंजा, कुमारी ठाकुर, नोथिला, राजेश्वरी विश्वकर्म एवं जोरातराई से आए सैकड़ों लोग माता एवं बहने शामिल हुई।

# आधुनिक कृषि यंत्रों व उन्नत तकनीक से किसान बन रहे हैं आत्मनिर्भर

## 24,752 किसानों को अलग-अलग योजनाओं के तहत कृषि यंत्रों से किया लाभान्वित

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं से प्रदेश के किसान आधुनिक खेती की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से किसानों को शासकीय अनुदान पर आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे खेती की लागत कम हो रही है और उत्पादन बढ़ रहा है। इससे खेती आसान और मुनाफेदार हुई है। जिसके कारण प्रदेश के किसान आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

बीज निगम द्वारा किसानों को चौम्पस पोर्टल के माध्यम से जुताई, बुआई, रोपाई और कटाई के लिए आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें रोटावेटर, स्वचालित रीपर, पैडी ट्रांसप्लांटर, लेजर लैंड लेवलर, पावर वीडर, मल्चर, थ्रेशर, सीड ड्रिल तथा ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली शामिल हैं।



कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष में बीज निगम द्वारा यंत्रीकरण सबमिशन (कंपोनेंट-1) अंतर्गत 912 किसानों को, शाकंभरी योजना अंतर्गत 3375 किसानों को, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (ड्रिप) अंतर्गत 3821 किसानों को तथा प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (स्प्रिंकलर) अंतर्गत 16,644 किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराकर लाभान्वित किया गया है।

इन आधुनिक यंत्रों के उपयोग से किसानों की मेहनत कम हुई है और समय की बचत के साथ उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। पारंपरिक खेती में जहां अधिक मजदूरी और लागत लगती थी, वहीं आधुनिक यंत्रों से खेती अब कम खर्च में अधिक लाभ देने लगी है। प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों, विशेषकर बस्तर संभाग में भी किसान आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर खेती में बेहतर परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। पहले जहां किसान केवल धान की खेती पर निर्भर थे, वहीं अब सब्जी उत्पादन और उद्यानिकी फसलों की ओर भी तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। ड्रिप सिंचाई प्रणाली के माध्यम से स्थानीय बाजारों के साथ-साथ बाहर के बाजारों में भी उत्पाद बेचकर किसान अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

बिलासपुर जिले के किसान नारायण दल्लू पटेल ने बताया कि स्वचालित रीपर से अब एक एकड़ फसल की कटाई 2 से 3 घंटे में हो जाती है, जबकि पहले 10 से 12 मजदूरों के साथ पूरा दिन लगता था। इससे कटाई लागत में 50 से 60 प्रतिशत तक कमी आई है। रायपुर जिले के किसान हीरालाल धनुराम साहू ने बताया कि रोटावेटर से खेत की तैयारी कुछ ही घंटों में हो जाती है। पहले जहां 3 से 4 दिन लगते थे, अब कम समय में खेत तैयार हो जाता है, जिससे उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के किसान लेखूराम कैलाश छेदइया ने बताया कि सीड ड्रिल से बोआई करने पर बीज की 15 से 25 प्रतिशत तक बचत हुई है तथा उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है।

बीज निगम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। निगम की इस पहल से प्रदेश के किसान तकनीकी रूप से सशक्त होने के साथ-साथ आर्थिक रूप से भी मजबूत बन रहे हैं और विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में सहभागी बन रहे हैं।

# प्रधानमंत्री आवास योजना से धनसिंह के परिवार का सपना हुआ पूरा

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से कोंडागांव जिले के नगर पंचायत फरसगांव के वार्ड क्रमांक 8 के निवासी धनसिंह हिडको के पक्के मकान सपना पूरा हुआ। उन्होंने बताया कि वर्षों तक अपने परिवार के साथ एक कच्चे मकान में निवास करता था। हर मौसम अपने साथ नई परेशानी लेकर आता था। बारिश के दिनों में छत से पानी टपकता था, कच्ची दीवारों से नमी रिसती थी और हर साल छत की मरम्मत में मेहनत और पैसा दोनों लगते थे। ऐसे हालात में परिवार की सुरक्षा और बच्चों का भविष्य चिंता का विषय बना रहता था।

उन्होंने बताया कि मेरी पत्नी की हमेशा यह इच्छा थी कि हमारा भी एक पक्का घर हो, जहाँ हम सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। लेकिन एक सामान्य किसान के लिए पक्का मकान बनवाना केवल एक सपना ही था। तभी वार्ड में मुनादी और शिविर के माध्यम से उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना की जानकारी मिली, जिसके तहत शासन द्वारा पात्र हितग्राहियों को पक्के मकान निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है।

धनसिंह ने आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन किया और सभी प्रक्रियाएँ पूरी कीं। जब स्वीकृति मिली तो उनकी पत्नी की आँखें खुशी से नम हो गईं। धीरे-धीरे निर्माण कार्य शुरू हुआ और कुछ ही समय में उनके सपनों का पक्का घर तैयार हो गया। अब उनका परिवार सुरक्षित वातावरण में रह रहा है, जहाँ बारिश और मौसम की मार का भय नहीं है। धनसिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना कई गरीब परिवारों के पक्का मकान के सपना को पूरा कर रही है।

# मसाला फसल में अग्रणी मिर्च

## भूमि

क्षारीय भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में उगाई जा सकती है। दोमट या बलुई दोमट मिट्टी जिसमें कार्बनिक पदार्थ की मात्रा अधिक हो, इसकी खेती के लिये उपयुक्त रहती है।

## उन्नत किस्में

पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, अर्का लोहित, अर्का सुफल, मिर्च–101, पंत–सी–1, फूले ज्योति, फूले मुक्ता, जवाहर मिर्च–283, एन.पी.–46ए।

## संकर किस्में

ए.आर.सी.एच.–236, उजाला।

## बीज की मात्रा

1–1.5 किग्रा प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है। संकर किस्मों का 500 ग्राम बीज पर्याप्त होता है।

## बुवाई समय

मिर्च की सर्दी की फसल हेतु जुलाई–सितम्बर तथा गर्मी की फसल हेतु रोपाई फरवरी–मार्च में की जाती है। रोपाई के 1.5 माह पूर्व बीज को नर्सरी में लगाया जाता है।

## नर्सरी तैयार करना

नर्सरी क्यारी एक मीटर चौड़ी, 5 मीटर लम्बी तथा 15 सेमी ऊंची क्यारियाँ बनायें। क्यारियाँ बनाने से पहले मिट्टी को भुरभुरी बनाकर गोबर खाद 10–15 किग्रा तथा मिट्टी उपचार हेतु 100 ग्राम फोरेट मिलायें। बीजो को कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम/किलो बीज की दर से उपचारित कर बीजों को 5 सेमी की दूरी पर लाईनों में लगायें। बीज बोने के बाद क्यारी को पुआल या सरकंडा आदि की पलवार से ढंक देते हैं। इससे नमी संरक्षित रहती है, तथा अंकुरण जल्दी हो जाता है। अंकुरण के बाद पलवार हटा देते हैं। कीट व्याधि से पौधों को बचाने हेतु इमिडाक्लोप्रिड 1 मिली./3 लीटर पानी तथा 2 ग्राम मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम प्रति लीटर पानी मे घोल कर छिड़काव करें।

## खाद एवं उर्वरक

मिर्च की अच्छी उपज के लिये 25–30 टन प्रति हैक्टेयर सड़ी गोबर खाद तथा उर्वरक में

## खेत की तैयारी एवं रोपाई

जुताई के समय गोबर खाद मिट्टी में मिला दें तथा पाटा लगाकर खेत में सिंचाई हेतु सुविधानुसार उपयुक्त आकार की क्यारियां बना लें या मेढ़ नाली पद्धति से रोपाई करें। बीज बोने के 5–6 सप्ताह बाद जब पौध 10–15 सेमी की हो जाये तो रोपाई के लिये उपयुक्त हो जाती है। रोपाई का कार्य सांयकाल में करें। कतार से कतार दूरी 45–60 सेमी तथा पौधे से पौधे दूरी 30–45 सेमी रखते हैं।

## सिंचाई

रोपाई के तुरंत बाद सिंचाई करें। रोपाई के तीसरे दिन एक हल्की सिंचाई देने से पौध अच्छी जमती है। तत्पश्चात भूमि की किस्म तथा मौसम के अनुसार सिंचाई करें, सर्दी में 10–12 दिन के अन्तराल पर तथा गर्मी में प्रति सप्ताह सिंचाई करें।

## निंदाई-गुड़ाई

मिर्च की फसल को खरपतवार रहित रखते हुए व अच्छी उपज प्राप्त करने हेतु 2–3 निंदाई–गुड़ाई आवश्यक है। रसायनिक खरपतवार नियंत्रण हेतु रोपाई से पहले 1.2 लीटर पेंडामिथालीन प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।

## उपज

हरी मिर्च की पैदावार 90–100 क्विंटल/हैक्टेयर तथा सूखी मिर्च 15–20 क्विंटल/हैक्टेयर प्राप्त हो जाती है।

260 किग्रा यूरिया, 300 किग्रा सिंगल सुपर फास्फोरस तथा 100 किग्रा पोटाश की आवश्यकता होगी। गोबर खाद, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा तथा नत्रजन की आधी मात्रा रोपाई से पहले खेत में मिलायें। शेष आधी नत्रजन की मात्रा को दो भागों में बांटकर 25–30 दिन और 45–50 दिनों के बाद खड़ी फसल में डालें।

# सर्वोत्तम चारा ल्यूसर्न

हरा चारा खिलाने से कई लाभ होते हैं। दुधारू पशु को इससे महत्वपूर्ण पोषक द्रव्य प्रोटीन, शर्करा, खनिज, जीवन सत्व मिलते हैं। हरा चारा स्वादिष्ट होता है अतः पशु उसे चाव से खाता है तो जाहिर हैं कि उसको शुष्क पदार्थ भी मिलते हैं। चारा पाचक होता है अतः पशु का पाचन भी ठीक रहता है लेकिन 'अति सर्वत्र वर्जयेत' इस कहावत अनुसार 30 से 35 किलो प्रति पशु प्रतिदिन इससे ज्यादा हरा चारा नहीं खिलाये क्योंकि इससे उन्हें आफरा (पेट में गैस वायु इकट्ठा होना) की शिकायत हो सकती है हरे फलीधारी चारे में रबी में काश्तयोग्य एक चारा हैं ल्यूसर्न। इसे आंग्लभाषा में अल्फा अल्फा कहते हैं। इसका अरबी भाषा में अर्थ हैं सर्वोत्तम।

## जलवायु

इस चारा फसल की काश्त राजस्थान के अत्यधिक गर्म प्रदेश से लद्दाख के अति ठंडे प्रदेश में भी की जा सकती है। ठंडी जलवायु इस फसल को सुहाती है। यह जिस मिट्टी में पानी की अच्छी तरह से निकासी होती हैं। ऐसी मिट्टी में बढ़िया बढ़ती है। खेत में पानी का जमाव इसे नुकसानदेह होता है।

## काश्त

इस चारा फसल को बोने हेतु अक्टूबर तथा नवम्बर के अंत तक का समय ठीक रहता है। खेत में एक गहरी जुताई कर भुरभुरी मिट्टी की क्यारियां बनायें। खेत समतल बनायें ताकि पानी की निकासी ठीक से हो।

## बीज प्रक्रिया

ल्यूसर्न के बीजों का सतही कवच जरा कठिन होता हैं। जिससे अंकुरण ठीक से नहीं हो पाता। अतः बीज को बुआई से पहले (छह से आठ घंटे पहले) पानी में भिगोकर रखें। इसके बाद बीज को राइजोबियम मेलिलोटी नामक जीवाणु संवर्धक से उपचारित कर सकते हैं। यह खास ल्यूसर्न के लिए किया जाता है। फिर बीज छाया में सुखायें।

## बुआई

बीज प्रक्रिया के छह से आठ घण्टे बाद अगर शुष्क तथा अर्धशुष्क इलाका हैं जहां तलछटी वाली मिट्टी है तो खेत समतल बनाकर बीज को खेत में ऐसे ही बिखेर सकते हैं। इसके बाद उसे बखर हल्के से चलाकर मिट्टी में मिलायें।

इसके अलावा ल्यूसर्न बीज को बुआई यंत्र द्वारा सीधी कतारों में 30 से 35 सेंटीमीटर दूरी पर बो सकते हैं। अगर ज्यादा बरसात वाला इलाका है जहां खेत में पानी भर जाता हैं तो खेत में (रिजेस) बनायें जो एक– दूसरे से 50 से 60 सेंटीमीटर दूर हो। फिर बुआई यंत्र से बुआई करें।

## खाद

ल्यूसर्न फसल की अच्छी बढ़वार हेतु उसे फास्फोरस, पोटेशियम, कैल्शियम तथा गंधक (सल्फर) की ज्यादा जरुरत होती है। अतः बुआई के समय 18 किलो नत्रजन, 70 से 75 किलो फॉस्फेट, 40 किलो पोटेशियम और 150 ग्राम सोडियम मॉलीबडेट मिट्टी में डालकर सिंचाई करें। इससे पहले मिट्टी में 20 से 25 टन अच्छी तरह पकी गोबर खाद जिसमें ह्युमस भरपूर है। वह प्रति हेक्टर में डाले और मिट्टी में मिलायें।

## सिंचाई

ल्यूसर्न को नमी की जरुरत होती है। अतः जरुरत अनुसार हर हफ्ते 1 या 2 हल्की सिंचाई दें। बुआई के तुरंत बाद सिंचाई करें ताकि अंकुरण अच्छा हो। जाड़े में 15 से 20 दिन के अंतराल से सिंचाई करें।

## कटाई

जब फसल में फलियां आती हैं तब आखिरी में से लेकर जब फसल के दसवें भाग में फूल आते हैं तब पहली कटाई कर सकते हैं।

# गेहूं में कम लागत बुआई तकनीक

भारत वर्ष में गेहूं की फसल साधारणतः धान, कपास, मक्का, ज्वार एवं अरहर की फसल के बाद बोई जाती है किंतु साधारणतः कृषक जो कि साल भर में फसलें अपने खेतों में उगाते हैं व खरीफ की फसलों के बाद आलू, सब्जी वाली मटर एवं तोरिया को नगदी फसल के रुप में लेते है। इस कारण अथवा अन्य कारणों से भी रबी में गेहूं की फसल की बुवाई में देरी हो जाती है।

## शून्य जुताई विधि

किसी खेत में जुताई किए बिना ही सीधे बुआई करना शून्य जुताई कहलाता है इस तकनीक में विशेष रुप में तैयार जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल का उपयोग बुआई के लिए किया जाता है। इस तकनीक के द्वारा न केवल जुताई के लागत की बचत होती है बल्कि जिन क्षेत्रों में- कपास, धान, गन्ना एवं तोरिया आदि फसलों के देरी से पकने के कारण गेहूं की बुआई में देरी होती है उन क्षेत्रों में भी अच्छी उत्पादकता प्राप्त की जा सकती है।

## पट्टी विधि

इस विधि को सन 1995 में पहली बार भारत में लागू किया गया। इस विधि में 70 सेमी की पट्टी बनाकर उसमें दो-तीन लाईन गेहूं की लगाई जाती है। इस प्रकार लगभग 25 प्रतिशत बीज एवं खाद की बचत पारंपरिक जुताई की तुलना में की जा सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के किसान आखिरी सिंचाई फसल गिरने के डर से नहीं करते जिसके कारण उपज में कमी देखी जाती है। इस विधि के उपयोग से जहां पर सिंचाई नालियों के द्वारा की जाती है, सिंचाई के जल तथा गेहूं के तने के बीच संपर्क न होने तथा आसानी से हवा का प्रवाह हो जाने से फसल गिरने से बच जाती है और पूरी सिंचाई कर अधिकतम उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। इस विधि के उपयोग से खरपतवार जैसे गेहूंसा (फेलेरिस माइनर) की संख्या भी पट्टी के जल्दी सूख जाने के कारण कम हो जाती है। पट्टी विधि से लगाई गयी फसल में खरपतवार निकालने तथा निंदाई, गुड़ाई हेतु पर्याप्त जगह मिल पाती है जिससे यांत्रिक विधियों का प्रयोग भी सरलता से किया जा सकता है।

## सतही बुआई

यह विधि उप क्षेत्रों में अपनाई जाती है जिन क्षेत्रों में धान की फसल के बाद गेहूं की फसल लगाई जाती है तकनीक काफी उपयोगी है क्योंकि इसमें धान के खेत में कटाई के पूर्व ही अथवा कटाई के तुरंत बाद गेहूं का सूखा अथवा भीगा हुआ बीज छिटकवां विधि से बोया जाता है। जमीन में उपस्थित नमी का उपयोग कर गेहूं में अंकुरण हो जाता है तथा जुताई एवं अन्य कर्षण क्रियाओं पर होने वाला खर्च बच जाता है।

# आया मौसम गाजर का

## भूमि एवं तैयारी

अच्छी जल निकास सुविधा वाली गहरी दोमट–भुरभुरी मिट्टी जिसमें कार्बनिक खाद की पर्याप्त मात्रा हो, गाजर की खेती के लिये उपयुक्त होती है। मृदा का पीएच मान 6.5 उपयुक्त होता है। चिकनी मिट्टी में गाजर की जड़ें, कठोर, कुरूप और कई रेशेदार जड़ों वाली बनती हैं।

## बीज एवं बुवाई/समय

मैदानी क्षेत्रों में एशियायी किस्में अगस्त–सितम्बर माह और यूरोपयिन किस्में अक्टूबर–मध्य दिसम्बर तक बोयी जाती हैं। बीजों को 15 दिनों के अंतराल से बोया जाता है। ताकि नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। पर्वतीय क्षेत्रों में मार्च से जून तक बोनी की जा सकती है।

## बीज दर

बीज ग्रेडेड और बड़े आकार के हों तथा अंकुरण 90 प्रतिशत होने पर सामान्यतया 7 से 8 कि.ग्रा. बीज प्रति हेक्टर लगता है।

## किस्में

पूसा केशर, पूसा मेघाली, गाजर नं.29, चयन नं. 233, पूसा यमदग्नि, चेन्टनी, नेन्टस

## बीजोपचार

गाजर के बीजों को थाइरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम के मिश्रण से प्रति किलो बीज दर से बीजोपचार करना चाहिये।

## बुवाई विधि

गाजर के बीज समतल क्यारियों में अथवा मेड़ों पर बोये जा सकते हैं। अच्छे अंकुरण के लिये बुवाई पूर्व खेत की सिंचाई कर देनी चाहिये। कतारे 30 से.मी. और पौधे से पौधे 10 से.मी. पर होने चाहिये। बीजों को 2.0 से.मी. से अधिक गहराई पर न बोंये। मेढ़ में बोनी अच्छी पैदावार देने में सहायक होती है।

## खाद एवं उर्वरक

सामान्यतया 25–30 टन कम्पोस्ट या गोबर की खाद को एक माह पूर्व खेत में फैलाकर मिला दें। आधार खाद के रूप में 47 कि.ग्रा. यूरिया 313 कि.ग्रा. सिंगलसुपर फास्फेट एवं 167 किलो म्यूरेटा पोटाश प्रति हे. दें। खड़ी फसल में बीज बुवाई के 30–40 दिन बाद यूरिया कि.ग्रा. नत्रजन की पूर्ति करें।

## सिंचाई

बीज बोते समय नमी उचित मात्रा में रखने के लिये बुवाई पूर्व सिंचाई की जानी चाहिये। पहली सिंचाई बीज बोने के 10–12 दिन बाद जब बीज अंकुरित हो जाये तब करें। बाद में फसल को 12–15 दिनों के अंतर से सिंचाई करें। कभी भी सिंचाई करते समय अधिक पानी न दें।

## निंदाई-गुड़ाई

गाजर की फसल में पहली निंदाई–गुड़ाई 20 से 25 दिन बाद करनी चाहिये। इसके खरपतवार नियंत्रण के साथ–साथ जड़ों के उचित विकास के लिये मृदा में वायु संचार बढ़ जाती है। एलाक्लोर (लासो) 4 लीटर 800 लीटर पानी में घोलकर बीज बोने के बाद किंतु अंकुरण के पूर्व छिड़काव कर नींदा नियंत्रण किया जा सकता है। दूसरी बार निंदाई–गुड़ाई बीज बोने के 40–45 दिन बाद करनी चाहिये।

## खुदाई

जड़ों के विपणन योग्य आकार के हो जाने के बाद तुरंत ही बाजार में भेजना चाहिये अन्यथा वह कठोर और उपयोग योग्य नहीं रह जाती है। जड़ों को उखाड़ने के पूर्व हल्की सिंचाई कर दें। एशियाई किस्मों के जड़ों का ऊपरी भाग का व्यास जब 2.5 से 5.0 से.मी. का हा जाये तब उन्हें खोद लेना चाहिये। जड़ें हाथ से खींचकर या फावड़े की मदद से खोदी जा सकती हैं।

## पैदावार

एशियाइ किस्मों की पैदावार यूरोपियन किस्मों की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। औसतन 150–200 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त हो जाती है।

# 30 अप्रैल को थिएटर्स में आएगी राम चरण की आने वाली फिल्म 'पेद्दी'

साउथ सुपरस्टार राम चरण इन दिनों निजी और प्रोफेशनल दोनों वजहों से चर्चा में हैं। हाल ही में वह जुड़वां बच्चों एक बेटे और एक बेटी के पिता बने हैं। पिछले महीने उनकी पत्नी उपासना ने बच्चों को जन्म दिया था। उनकी आगामी फिल्म 'पेद्दी' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। जब से फिल्म 'पेद्दी' का ऐलान हुआ है, तब से यह सोशल मीडिया पर लगातार चर्चा में बनी हुई है। अब मेकर्स ने एक नया पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट भी बता दी है। 'पेद्दी' 30 अप्रैल 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। नए पोस्टर में राम बेहद दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। वह लंबे बाल, बड़ी दाढ़ी, खून से सना चेहरा और धूल में लिपटे रफ-टफ अवतार में दिखाई दे रहे हैं। भीड़ के बीच खड़े राम चरण की मौजूदगी एक ताकतवर और मास अपील वाले किरदार की ओर इशारा करती है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा... 'उसके आने की तारीख बदल सकती है, लेकिन उसकी ताकत और जज्बा नहीं।' बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही 'पेद्दी' को एक बड़ी पैन इंडिया फिल्म माना जा रहा है। फिल्म में राम के साथ जाह्नवी कपूर भी लीड रोल में दिखाई देंगी। इसके अलावा जगपति बाबू, शिवा राजकुमार और दिव्येंदु शर्मा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

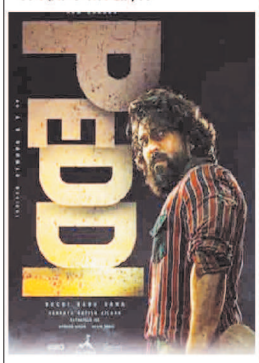


# ट्रोल होने पर क्या करती हैं तृप्ति डिमरी? खुद की जिंदगी से जोड़ी 'ओ रोमियो' की कहानी

तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'ओ रोमियो' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 'वैलेंटाइन डे' से एक दिन पहले 13 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में तृप्ति डिमरी अफशा का किरदार निभाएंगी। इसमें उनके साथ शाहिद कपूर अहम किरदार में हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अमर उजाला से खास बातचीत की है। उन्होंने बताया है कि वह ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं।

## ट्रोल होने पर कैसा महसूस करती हैं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी से जब पूछा गया कि जब कोई उन्हें ट्रोल करता है, तो उन्हें कैसा लगता है? इस पर उन्होंने कहा 'मैं रोती हूं। इंसान हूं, इसलिए कभी-कभी बहुत रोती भी हूं। लेकिन अगर कोई मेरी फिल्म या मेरे काम को लेकर आलोचना करे, तो मैं उस पर नहीं रोती। मैं इसे ऐसे लेती हूं कि किसी को मेरा काम पसंद आएगा, किसी को नहीं। सबको खुश करना संभव नहीं है।'

## पर्सनल कमेंट लगते हैं बुरे

उन्होंने आगे कहा 'हां, अगर कोई पर्सनल कमेंट कर दे, तो वह बात मुझे बुरी लगती है। बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन फिर भी, मैं उस पर रोती नहीं हूं। मुझे कोई इतनी आसानी से रुला नहीं सकता।'

## प्यार पर क्या बोलीं तृप्ति?

तृप्ति डिमरी ने प्यार पर अपनी बात रखते हुए कहा 'अगर मैं खुद को फिल्म की लव स्टोरी में रखूं, तो जिस बात से मैं सबसे ज्यादा जुड़ पाती हूं, वह है इस कहानी में मौजूद प्यार की सच्चाई। मुझे हमेशा लगता है कि प्यार ऐसा ही होना चाहिए। सीधा, साफ और बिल्कुल पवित्र। यही चीज इस कहानी में भी है। यही बात मेरी अपनी रियल लाइफ से भी सबसे ज्यादा मिलती है।

## कौन है फिल्म का निर्देशक?

फिल्म 'ओ रोमियो' एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसके लेखक और निर्देशक विशाल भारद्वाज हैं। इसके निर्माता साजिद नाडियाडवाला हैं। फिल्म में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी और फरीदा जलाल भी होंगी।

# नाम बदलने के फैसले के बाद 'घूसखोर पंडित' विवाद पर मनोज बाजपेयी ने दी प्रतिक्रिया

नेटफ्लिक्स पर आने वाली मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपनी घोषणा के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म के नाम को लेकर ब्राह्मण समुदाय और एफडब्ल्यूआईसीई ने आपत्ति जताई और रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। जब मामला कोर्ट में पहुंचा तब मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलने का फैसला किया। अब इस पूरे मामले में मनोज बाजपेयी की प्रतिक्रिया भी सामने आई है।

## हम छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं

डेक्कन क्रॉनिकल से बात करते हुए फिल्म के लीड एक्टर मनोज बाजपेयी ने विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'हमारा देश बहुत संवेदनशील हो गया है। हम हमेशा तनाव में रहते हैं, छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं और व्यक्तिगत रूप से अपशब्दों का प्रयोग करने लगते हैं। अब फिल्म के शीर्षक में इन सभी बातों का ध्यान रखा जा रहा है।'

## मेकर्स ने लिया फिल्म का नाम बदलने का फैसला

इससे पहले नेटफ्लिक्स पर फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं कोर्ट में भी फिल्म के टाइटल को लेकर इसे भड़काऊ और ब्राह्मणों का अपमान करने वाला बताते हुए याचिका दायर की गई। इसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की बात कही गई। हालांकि, बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कोर्ट को बताया कि मेकर्स फिल्म के नाम में बदलाव करने को तैयार हैं। मेकर्स की ओर से आश्वस्त किया गया कि प्रमोशनल सामग्री पहले ही हटा ली गई है और फिल्म का नाम भी बदल दिया जाएगा। हालांकि, अभी तक फिल्म के नए नाम की घोषणा नहीं की गई है।

**नीरज पांडे ने किया है निर्माण**

नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'घूसखोर पंडित' में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में नुसरत भरूचा, साकिब सलीम, श्रद्धा दास, अक्षय ओबेरॉय और कीकू शारदा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

# गोलमाल 5 में हुई करीना की वापसी

रोहित शेट्टी की सुपरहिट कॉमेडी फ्रेंचाइज 'गोलमाल 5' को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म में करीना कपूर की वापसी तय हो चुकी है और वह एक बार फिर अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इसके साथ ही रोहित शेट्टी ने फिल्म में अक्षय कुमार को शामिल कर दिया है। अजय, अक्षय और करीना जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी ने 'गोलमाल 5' को अब तक की सबसे बड़ी और दमदार टीम वाली फिल्म बना दिया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के मुताबिक... 'करीना की कास्टिंग में थोड़ा वक्त लगा। इसकी वजह डेट्स और कुछ अन्य मुद्दों पर बातचीत थी।'

## फिल्म में अजय का ही रहेगा अहम किरदार

'गोलमाल' फ्रेंचाइज के अब तक आए चारों पार्ट हिट साबित हुए हैं। अब अक्षय की एंट्री और करीना की वापसी ने इस उत्साह को और भी बढ़ा दिया है। फिल्म इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इतने बड़े सितारों को एक साथ लाना आसान नहीं होता। फिल्म में अजय का ही किरदार अहम रहेगा।

# इस फिल्म में विलेन बनना चाहते हैं विशाल जेठवा रानी मुखर्जी के साथ काम करने की जताई इच्छा

विशाल जेठवा ने 'होमबाउंड' और 'मर्दानी 2' में शानदार अभिनय किया था। उनकी फिल्म 'होमबाउंड' तो ऑस्कर 2026 में बेस्ट इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटिगरी में भी शॉर्टलिस्ट की गई थी। इस फिल्म में भी विशाल की एक्टिंग को फैंस ने काफी सराहा था। वहीं उन्होंने 'मर्दानी 2' में विलेन का रोल निभाया था। अब एक बार फिर विशाल विलेन का रोल निभाना चाहते हैं।

## विशाल ने की रानी मुखर्जी की जमकर तारीफ

हाल ही में विशाल जेठवा 'मर्दानी 3' की स्पेशल स्क्रीनिंग में रानी मुखर्जी से दोबारा मिले। 'मर्दानी 3' में रानी की एक्टिंग की तारीफ करते हुए विशाल ने कहा, 'मर्दानी 2' फिल्म मेरे लिए हमेशा बहुत खास रहेगी और रानी मैम भी। उनके साथ काम करना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सीखने वाला अनुभव रहा है। वह ईमानदारी, मजबूती और बेहद सादगी के साथ लीड करती हैं। स्क्रीनिंग के दौरान उनसे मिलकर पुरानी यादें ताजा हो गईं। मुझे 'मर्दानी 2' का हिस्सा बनने पर बहुत गर्व महसूस होता है।'

## 'मर्दानी 4' में विलेन बनने की जताई इच्छा

'मर्दानी' फ्रेंचाइज और रानी की तारीफ करते हुए विशाल ने आगे कहा कि 'मर्दानी' और रानी मुखर्जी एक-दूसरे से अलग नहीं हैं। शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार को रानी मैम से बेहतर कोई निभा ही नहीं सकता था। मैंने 'मर्दानी 3' देखी और एक बार फिर उन्होंने साबित कर दिया कि वे रानी मुखर्जी क्यों हैं। मैं चाहता हूं कि 'मर्दानी 4' में मैं विलेन बनकर वापसी करूं।'

# शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में वापस आईं रानी

अभिराज मीनावाला द्वारा निर्देशित 'मर्दानी 3' मर्दानी फ्रैंचाइज की तीसरी फिल्म है। इस फिल्म में जानकी बोडीवाला और मल्लिका प्रसाद भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म में रानी मुखर्जी एक बार फिर शिवानी शिवाजी रॉय के किरदार में नजर आई हैं। मल्लिका प्रसाद फिल्म में अम्मा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म लड़कियों की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दे पर आधारित है।

# यह जिंदगी बदल देने वाली फिल्म, अनुराग कश्यप का फोन आने से हैरान थीं सनी

अभिनेत्री सनी लियोन जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'कैनेडी' में नजर आएंगी। सनी लियोन इस फिल्म को अपने 15 साल के करियर में सबसे खास मानती हैं। साथ ही उनका कहना है कि उन्हें यकीन ही नहीं हुआ, जब अनुराग कश्यप ने इस फिल्म के लिए उन्हें कॉल किया था। 'कैनेडी' काफी वक्त से तैयार है और कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इसे तारीफें भी मिल चुकी हैं। अब सनी लियोन ने फिल्म के अपने अनुभव के बारे में बात की।

## फिल्म को लेकर उत्साहित हैं सनी

इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान सनी लियोन ने फिल्म के लिए अपनी तैयारी और इस फिल्म की गंभीरता को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित हूं। मैं वहां थोड़े समय के लिए ही थी, लेकिन उस दौरान इस फिल्म पर काम करना एक अद्भुत अनुभव रहा। इसमें जो मेहनत लगी है, इस फिल्म के लिए हम जितनी जगहों पर गए हैं और अलग-अलग जगहों, देशों, फिल्म समारोहों और यहां तक कि आम लोगों से भी जो प्रतिक्रिया मिली है, वह कमाल की है। सच में यह बहुत ही रोमांचक है। कैनेडी को आखिरकार एक घर मिल गया।' फिल्म में कम स्क्रीन टाइम को लेकर सनी ने कहा कि यह निश्चित रूप से किरदार के बारे में है। यह स्क्रीन टाइम के बारे में नहीं है। यह इस बारे में है कि फिल्म में वह समय कितना प्रभावशाली है। मुझे लगता है कि इसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही अद्भुत अनुभव था। जब आप इसे देखते हैं, तो ऐसा नहीं लगता कि मैं वहां हूं और फिर गायब हो जाती हूं। यह अधिकांश बड़ी फिल्मों की तरह, केवल एक व्यक्ति पर आधारित नहीं है। इसमें कई अलग-अलग किरदार हैं।

## अनुराग कश्यप के साथ ऐसी थी पहली मुलाकात

अनुराग कश्यप के साथ अपनी पहली मुलाकात को याद करते हुए सनी लियोन ने कहा मैं चौंक गई थी। मैंने सोचा, 'आप मुझे फोन करना चाहते थे?' तो पहले उन्होंने डेनियल को फोन किया और डेनियल ने कहा, 'आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं भाई? आप सीधे सनी को फोन करके पूछ लीजिए।' तो जब उन्होंने फोन किया, तो दूसरी तरफ डेनियल ने कहा, 'हे भगवान, यह तो कमाल है।' और फिर उन्होंने फोन करके कहा कि वह चाहते हैं कि मैं इस रोल के लिए ऑडिशन दूं। मैं ऑडिशन के लिए तैयार थी, लेकिन मुझे इसके लिए गिड़गिड़ाना पड़ा क्योंकि वह बार-बार कह रहे थे, 'तुम्हें ऑडिशन की जरूरत नहीं है।' मैंने उनसे कहा, प्लीज। अगर अंग्रेजी में है तो मत भेजिए, लेकिन अगर हिंदी में है तो भेज दीजिए। कुछ शब्द मुश्किल हो सकते हैं। तो उन्होंने डायलॉग भेजे और मैंने उन्हें याद कर लिया। मुझे बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि ऑफिस के ये सभी लोग मेरे साथ एक मजाक कर रहे थे। मुझे कान्स में डिनर के दौरान पता चला। वे कहने लगे, 'हां, हमने तुम्हारे साथ एक मजाक किया था। हम बस यह देखना चाहते थे कि तुम आओगी या नहीं।' मैंने कहा कि क्या आप सच कह रहे हैं? मैंने डायलॉग याद कर लिए थे। मैं बहुत घबराई हुई थी।

## चुनौतीपूर्ण था किरदार

अपने किरदार चार्ली को चुनौतीपूर्ण बताते हुए सनी का कहना है कि अनुराग को भरोसा था मैं कर लूंगी। लेकिन मुझे नहीं था। किरदार की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक चार्ली की विशिष्ट हंसी को हूबहू नकल करना था। शूरू से ही वह इसे चाहते थे। लेकिन मैं सोच रही थी कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी में कभी ऐसे नहीं हंसा। कौन ऐसे हंसता है? इसलिए मैं जहां भी जाती, चार्ली की तरह हंसने लगती थी। किरदार की तैयारी के लिए हमने डायलॉग्स की कोचिंग ली, स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप में भाग लिया। उन्होंने मेरी एक भी लाइन नहीं बदली, जो बहुत अच्छी बात थी। यह वाकई एक जिंदगी बदल देने वाली फिल्म है।

## 20 फरवरी को रिलीज होगी 'कैनेडी'

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'कैनेडी' में सनी लियोन के साथ राहुल भट्ट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। कई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल्स में सराहना बटोरने के बाद अब यह फिल्म भारत में 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हो रही है।

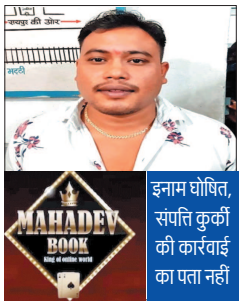


# महादेव सट्टा ऐप से जुड़ा निगरानी बदमाश दीपक नेपाली अब भी फरार

इनाम घोषित, संपत्ति कुर्की की कार्रवाई का पता नहीं

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

महादेव सट्टा ऐप और कई संगीन आपराधिक मामलों से जुड़ा निगरानी बदमाश दीपक सिंह उर्फ दीपक नेपाली अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। दुर्ग पुलिस ने उस पर ?3,000 का इनाम घोषित कर रखा है और सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखने का आश्वासन दिया है।

### इनाम और कुर्की की कार्रवाई

लगातार फरारी और न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना के चलते पुलिस ने उसकी चल-अचल संपत्ति कुर्क करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। जून 2025 में इसके आधिकारिक आदेश जारी किए गए थे। प्रशासन का मानना है कि आर्थिक दबाव से आरोपी को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर किया जा सकेगा।

**हालिया मामला:** कारोबारी पर जानलेवा हमला 22 मई 2025 को भिलाई के वैशाली नगर थाना क्षेत्र में कैफे-1 निवासी कारोबारी प्रदीप चौबे पर जानलेवा हमला और अवैध वसूली के प्रयास का मामला दर्ज हुआ। इस केस में उसके कई साथी गिरफ्तार हो चुके हैं या सरेंडर कर चुके हैं, लेकिन दीपक नेपाली फरार है।

### आपराधिक रिकॉर्ड

दीपक नेपाली के खिलाफ भिलाई के विभिन्न थानों–वैशाली नगर, सुपेला और छावनी–में 17 से अधिक मामले दर्ज हैं। इनमें शामिल हैं महादेव सट्टा ऐप में कथित पैनल ऑपरेटर की भूमिका, हत्या का प्रयास, लूट और अपहरण, अवैध वसूली, आर्म्स एक्ट के मामले और धोखाधड़ी शामिल है। दिसंबर 2023 में उसे महादेव ऐप प्रकरण में गिरफ्तार किया गया था। जुलाई 2024 में एक पुराने चाकूबाजी मामले में उसे 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई थी, लेकिन फरवरी 2026 तक दीपक सिंह उर्फ दीपक नेपाली वह सजा से बचने के लिए फरार चल रहा है।

### पुलिस की कार्रवाई और अपील

पुलिस सोशल मीडिया, मुखबिर तंत्र और संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। रिश्तेदारों और पुराने संपर्कों की निगरानी की जा रही है। वैशाली नगर थाना सहित संबंधित थानों की टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हैं। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि दीपक नेपाली के संबंध में कोई जानकारी हो तो तत्काल सूचना दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। फरवरी 2026 तक दीपक सिंह उर्फ दीपक नेपाली दुर्ग जिले का मोस्ट वांटेड अपराधी बना हुआ है। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी तक कार्रवाई जारी रहेगी।

### गाड़ियों की जब्ती

वैशाली नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी की दो कारें गौरव पथ (रामुलु चौक) स्थित 18 नंबर रोड के पास एक पेट्रोल पंप पर खड़ी हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों वाहनों को जप्त कर लिया। जांच एजेंसियों को उम्मीद थी कि इससे आरोपी तक पहुंचने में मदद मिलेगी, पर अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिला है।

**खास खबर**

## कौशल विकास योजना से युवाओं को मिल रहा रोजगार

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत जिला कौशल विकास प्राधिकरण राजनांदगांव द्वारा जिले में युवाओं को कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में प्रभावी सिद्ध हो रहे है और कौशल उन्नयन होने से युवाओं को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा निजी संस्थाओं में रोजगार प्राप्त कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम टेड़ेसरा निवासी हर्ष साहू ने डोमेस्टिक डाटा एण्ट्री ऑपरेटर का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रशिक्षण उपरांत उन्हें निजी संस्था टेक्नोटास्क में रोजगार प्राप्त हुआ। हर्ष साहू ने बताया कि कौशल उन्नयन प्रशिक्षण से प्राप्त तकनीकी ज्ञान एवं व्यवहारिक दक्षता के कारण उन्हें रोजगार मिला है। जिससे वह अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में योगदान दे रहे है। इसी तरह ग्राम अंजोरा (ख) जिला दुर्ग निवासी सुश्री आकांक्षा कुशवाहा ने डोमेस्टिक डाटा एण्ट्री ऑपरेटर प्रशिक्षण प्राप्त कर टेक्नोटॉस्क में रोजगार का अवसर मिला है। ग्राम थनौद जिला दुर्ग के आशीष कुमार पटेल ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वायडी फूड प्रोडक्ट में रोजगार मिला। अब वह परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

# छग प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने हंसपुर घटना पर बनाई गई 10 सदस्यीय जांच समिति

## ग्रामीण की मौत के मामले में प्रशासनिक आतंकवाद का आरोप, प्रदेश कांग्रेस ने मांगी तथ्यात्मक रिपोर्ट

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम हंसपुर में प्रशासनिक अधिकारियों पर कथित मारपीट और दबाव की कार्रवाई के दौरान एक ग्रामीण की मौत तथा दो ग्रामीणों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना को लेकर प्रदेश राजनीति गरमा गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के निर्देश पर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के संयोजकत्व में दस सदस्यीय जांच समिति बनाई गई है, जो घटनास्थल का दौरा कर वस्तुस्थिति का आकलन करेगी।

### क्या है मामला?

जानकारी के अनुसार ग्राम हंसपुर में प्रशासनिक अधिकारियों की कार्रवाई के दौरान कथित रूप से ग्रामीणों के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि इसी दौरान एक ग्रामीण की मृत्यु हो गई तथा दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है और ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। कांग्रेस ने इसे प्रशासनिक आतंक बताते हुए कहा है कि यदि आरोप सत्य पाए जाते हैं तो यह अत्यंत गंभीर और अमानवीय कृत्य है।

### जांच समिति की संरचना

संयोजक, अमरजीत भगत (पूर्व मंत्री), डॉ. प्रीतम राम (पूर्व विधायक), पारसनाथ राजवाड़े (पूर्व विधायक भानूप्रताप सिंह (पूर्व विधायक), डॉ. अजय तिर्की (पूर्व महापौर), विजय पैकरा (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी), सफी अहमद (पूर्व अध्यक्ष, श्रम कल्याण), राजेन्द्र तिवारी (पूर्व जिला अध्यक्ष), राकेश गुप्ता (पूर्व जिला अध्यक्ष, सरगुजा), हरिहर प्रसाद यादव (जिला अध्यक्ष, बलरामपुर) समिति को निर्देश दिए गए हैं कि वे तत्काल गांव का दौरा कर मृतक के परिजनों, घायलों, ग्रामीणों तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात करें और निष्पक्ष तथ्य संकलित कर अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपें।

### प्रदेश कांग्रेस की प्रतिक्रिया

प्रदेश कांग्रेस का कहना है कि घटना केवल एक आपराधिक मामला नहीं, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही का प्रश्न है। यदि किसी भी स्तर पर अधिकारों का दुरुपयोग या बल प्रयोग हुआ है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। पत्र की प्रतिलिपि एआईसीसी नेतृत्व सहित कई वरिष्ठ नेताओं को सूचनार्थ भेजी गई है, जिनमें प्रमुख रूप से सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टी.एस. सिंहदेव और डॉ. चरणदास महंत शामिल हैं।

### राजनीतिक और प्रशासनिक असर

घटना के बाद से बलरामपुर क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद मामले को राज्य स्तर पर उठाए जाने की संभावना है। यदि जांच में प्रशासनिक लापरवाही या अत्यधिक बल प्रयोग की पुष्टि होती है, तो यह मामला प्रदेश राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

### आगे क्या?

जांच समिति के दौरे और प्रतिवेदन के बाद प्रदेश कांग्रेस अपनी अगली रणनीति तय करेगी। स्थानीय प्रशासन की ओर से भी आंतरिक जांच की प्रक्रिया चलने की जानकारी सामने आ रही है। फिलहाल हंसपुर की घटना ने प्रशासनिक कार्यप्रणाली, जवाबदेही और मानवाधिकार के सवालों को केंद्र में ला दिया है। आने वाले दिनों में जांच रिपोर्ट इस पूरे मामले की दिशा तय करेगी।

## छात्रा देविका सागरवंशी ने सीबीएसई खेलकूद स्पर्धा में रचा इतिहास

*नई दृष्टिबिंदु / रिसाली*

शारदा विद्यालय, रिसाली की ग्यारहवीं कक्षा की छात्रा देविका सागरवंशी ने वर्ष 2025-26 में क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर द्वारा आयोजित सीबीएसई खेल कूद "फॉर ईस्ट जोन बॉक्सिंग चैम्पियनशिप" प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल करते हुए अपना नाम सीबीएसई नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में दर्ज कराया। अक्टूबर माह में हरियाणा में आयोजित नेशनल मुक्केबाजी प्रतियोगिता में देविका ने प्रथम स्थान प्राप्त कर "स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया" में सीबीएसई का प्रतिनिधित्व किया। छात्रा ने एसजीएफआई में अपनी साहसिक प्रतिस्पर्धा से अपने प्रतिद्वन्द्वियों को बड़ी चुनौती देते हुए प्रथम भाग में जीत भी हासिल की।

उसकी इस अप्रतिम उपलब्धि पर विद्यालय डायरेक्टर संजय ओझा बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। साथ ही विद्यालय मैनेजर ममता ओझा, प्रिंसिपल रूद्रकान्त झा, हेडमिस्ट्रेस पुष्पा सिंह, सीनियर मिस्ट्रेस शीष्टि राव, एक्टिविटी इंचार्ज पूजा बब्बर, प्रतीक ओझा ने भी छात्रा का उत्साहवर्धन किया।

# जिला अस्पताल खैरागढ़ का औचक निरीक्षण: जनऔषधि केंद्र की समय-सीमा पर भड़की कांग्रेस, 24 घंटे सेवा की मांग

*नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़*

नवनियुक्त शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ अरुण भारद्वाज के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सोमवार रात जिला अस्पताल खैरागढ़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं, मरीजों को मिल रही सुविधाओं और चिकित्सकीय संसाधनों की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया गया।

निरीक्षण के समय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जन औषधि केंद्र के नियमानुसार रात 10 बजे से पहले ही बंद पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने इसे मरीजों के हितों के विपरीत बताते हुए जन औषधि केंद्र को 24 घंटे संचालित करने की मांग उठाई, ताकि आपात स्थिति में मरीजों और उनके परिजनों को दवाओं के लिए भटकना न पड़े। इसके पश्चात कांग्रेसी वार्डों में पहुंचे, जहां उन्होंने भर्ती मरीजों से सीधी बातचीत कर उनके इलाज, दवाइयों की उपलब्धता और साफ-सफाई की स्थिति की जानकारी ली। चिकित्सकों के रोस्टर चार्ट की भी जांच की गई। इसके बाद ड्रेसिंग वार्ड का निरीक्षण कर दुर्घटना में घायल मरीजों के इलाज हेतु आवश्यक चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता का मुआयना किया गया। निरीक्षण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक बिसेन एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज वैष्णव भी मौजूद रहे। शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अरुण भारद्वाज ने चिकित्सकों और अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों के उचित उपचार, समय पर सेवाएं और स्वच्छता पर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विधायक प्रतिनिधि मनराखन देवांगन ने कहा कि कुछ दिन पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा निरीक्षण के दौरान जिला अस्पताल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही गई थी। लेकिन जमीनी स्तर पर अब तक उसका असर नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रात के समय दवाइयों की व्यवस्था न होना और जन औषधि केंद्र का समय से पहले बंद हो जाना सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की कमजोरी को उजागर करता है। निरीक्षण में नेता प्रतिपक्ष दीपक देवांगन, विधायक प्रतिनिधि रवींद्र सिंह गहरवार, सुयकांत यादव, महेश यादव, शेखर दास वैष्णव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि शीघ्र ही अस्पताल की बुनियादी सुविधाओं में सुधार नहीं हुआ, तो इसे लेकर आंदोलनात्मक कदम उठाए जाएंगे।

## महाशिवरात्रि पर विभिन्न आयोजनों में शामिल हुए इंद्रजीत सिंह

*नई दृष्टिबिंदु / भिलाई*

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर एवं सर्व समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह (छोटू) विभिन्न धार्मिक आयोजनों में शामिल हुए और क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पाण्डेय के निवास पर आयोजित महाशिवरात्रि कार्यक्रम में सम्मिलित होकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर सहित सामाजिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मनीष पाण्डेय, सर्व समाज कल्याण समिति के महासचिव मलकीत सिंह, उपाध्यक्ष जोगा राव, राम हिंदरिया, रिज्जू सिंह, रमन राव, हरजिंदर सिंह, सुनील यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

इसी क्रम में इंद्रजीत सिंह छोटू बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा आयोजित भगवान भोलेनाथ की भव्य बारात में भी शामिल हुए। उन्होंने श्रद्धालुओं के साथ सहभागिता करते हुए धार्मिक उत्साह को बढ़ावा दिया। महाशिवरात्रि के अवसर पर उन्होंने शिव मंदिर वृन्दावन नगर कैंप-1, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर नेहरू नगर में आयोजित पालकी एवं शोभा यात्रा, शम्भू महादेव मंदिर सेक्टर-7 में महापूजा एवं महाप्रसादी कार्यक्रम तथा श्री पिपलेश्वर महादेव शिव मंदिर सेक्टर-6 में भी उपस्थित होकर पूजा-अर्चना की। इस पावन अवसर पर उन्होंने भगवान भोलेनाथ से क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि इंद्रजीत सिंह छोटू शहर में सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहते हुए विभिन्न आयोजनों में सहभागिता कर समाज में सद्भाव एवं एकता का संदेश देते रहे हैं।

**योजना का लाभ** 3518 लाभार्थियों का वेंडर चयन हुआ पूर्ण, 1340 घरों में सोलर पैनलों की स्थापना हुई पूर्ण

# जिले में दिख रहा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का असर, बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में आई कमी

*नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव*

जिले में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन में लगातार उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की जा रही है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को अधिकतम 1 लाख 8 हजार रूपए की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। जिससे सोलर रूफटॉप स्थापना जनसामान्य के लिए अधिक किफायती और सुलभ हो गई है। जिले में अब तक 8228 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें से 3518 लाभार्थियों का वेंडर चयन पूर्ण कर लिया गया है।

इसके साथ ही 1340 घरों में सोलर पैनलों की स्थापना पूरी हो चुकी है और 875 उपभोक्ताओं को सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। इस सप्ताह 181 नए आवेदन प्राप्त हुए तथा 96 इंस्टॉलेशन पूर्ण किए गए, जो योजना की निरंतर बढ़ती गति और जनभागीदारी को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का असर जिले में दिखाई दे रहा है। बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में कमी आई है। कई घरों में बिल शून्य या नकारात्मक आ रहे हैं। ऐसे उपभोक्ता अतिरिक्त उत्पादित सौर ऊर्जा को ग्रिड में आपूर्ति कर आय भी अर्जित कर रहे हैं। इससे न केवल परिवारों को आर्थिक लाभ मिल रहा है, बल्कि ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बन रहे हैं। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ यह पहल पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

जिला प्रशासन द्वारा प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ पात्र परिवारों तक शीघ्र एवं पारदर्शी रूप से पहुंचाने, गुणवत्तापूर्ण एवं मानक अनुरूप इंस्टॉलेशन, समयबद्ध सब्सिडी वितरण, उपभोक्ताओं को सतत मार्गदर्शन एवं सहयोग देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से जुड़कर अपने घरों को स्वच्छ, सस्ती एवं आत्मनिर्भर ऊर्जा से सशक्त बनाने की अपील की गई है।

## श्रद्धालुओं को मिला अयोध्या धाम का सौभाग्य सीएम ने कहा — यही जनसेवा की प्रेरणा

*नई दृष्टिबिंदु / रायपुर*

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया प्रवास के दौरान झुमका जलाशय परिसर में श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम की पावन यात्रा कर लौटे श्रद्धालुओं से आत्मीय भेंट की। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं का हाल-चाल जाना और उनके आध्यात्मिक एवं भक्तिमय अनुभवों को बड़े ध्यानपूर्वक सुना। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री को बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से उन्हें निःशुल्क अयोध्या धाम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा सम्मानपूर्वक यात्रा की समुचित व्यवस्था किए जाने से यह यात्रा उनके लिए अत्यंत सहज और अविस्मरणीय बन गई।

श्रद्धालुओं ने बताया कि अपने सुदूर गांवों से अयोध्या तक पहुँचना उनके लिए पहले कठिन था, किंतु सरकार की पहल ने इसे संभव कर दिया। श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री साय को हृदयमरे राम तैलचित्र भेंट कर आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने श्रद्धालुओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम छत्तीसगढ़ के भांचा हैं और प्रदेशवासियों को उनके दर्शन कराना शासन के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने कहा कि सुदूर अंचलों में रहने वाले लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना ही जनसेवा की वास्तविक संतुष्टि है, और सरकार इसी भावना के साथ कार्य कर रही है।

## राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 फरवरी को दो पालियों में

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा–2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 को रायपुर जिले के 48 परीक्षा केंद्रों में आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा दो पालियों में आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री का वितरण जिला कोषालय, कलेक्टर परिसर रायपुर से सुबह 7 बजे एवं दोपहर 12 बजे किया जाएगा। गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित परिवहन हेतु संबंधित अधिकारियों को उनके नाम के समक्ष दर्शित परीक्षा केंद्रों के लिए परिवहन अधिकारी/उड़नदस्ता अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी नियुक्त अधिकारी निर्धारित समय पर जिला कोषालय पहुंचकर गोपनीय सामग्री प्राप्त करेंगे तथा परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पूर्व संबंधित केंद्राध्यक्ष को अनिवार्य रूप से सौंपेंगे।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।